फाल्गुन शुक्ल पक्ष- 6, 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 230 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म।प्र।/4-474/2024-26

भोपाल
23 फरवरी 2026 सोमवार

आज का मौसम
32.2 अधिकतम
14.4 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

केदारनाथ में लगातार बर्फबारी हो रही है। धाम की यात्रा 22 अप्रैल से शुरू होगी।

एआई समिट में अर्धनग्न प्रदर्शन... रुक नहीं रही पार्टी की आलोचना

कांग्रेस को अब अपनों ने भी घेरा, शिक्षाविद बोले - पार्टी में है निर्णय क्षमता की कमी

मार्गरेट अल्वा ने कहा - ऐसे अवसरों पर जिम्मेदारी का व्यवहार जरूरी

नईदिल्ली, एजेंसी

प्रतिष्ठित एआई समिट स्थल पर युवा कांग्रेस के बिना शर्ट के विरोध-प्रदर्शन को लेकर जहां पार्टी कार्यकर्ताओं की लगातार गिरफ्तारी हो रही है वहीं कांग्रेस की तीखी आलोचना का सिलसिला थम नहीं रहा है। इण्डिया ब्लॉक के सहयोगी भी इसमें पीछे नहीं हैं और अब पार्टी के अंदर से ही निंदा के स्वर सामने आने लगे हैं। पार्टी की वरिष्ठ नेता मार्गरेट अल्वा ने इस व्यवहार को गैर जिम्मेदाराना ठहराया है। उधर, सौ से अधिक विद्वानों और शिक्षकों ने इस घटना पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि इस महत्वपूर्ण वैश्विक कार्यक्रम में व्यवधान न केवल खराब फैसला था, बल्कि राष्ट्रीय हितों के खिलाफ भी है।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता शशि थरूर पहले ही एआई समिट के आयोजन की तारीफ कर चुके हैं। अब कांग्रेस की वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मार्गरेट अल्वा ने दिल्ली में आयोजित इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट के दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं

द्वारा किए गए विरोध प्रदर्शन की आलोचना की है। मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए सुश्री अल्वा ने कहा कि ऐसे अवसरों पर जिम्मेदारी के साथ व्यवहार की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय आयोजनों के दौरान गरिमा, अनुशासन और जिम्मेदारी की भावना बनाए रखनी चाहिए। हालांकि, राहुल गांधी के बारे में एक नेता के तौर पर बात करते हुए उन्होंने कहा, वह एक नेता हैं और जनता उन्हें स्वीकार करती है। उनका बहुत बड़ा योगदान है और जिस तरह से वह संघर्ष कर रहे हैं, मैं उन्हें बधाई देती हूं।

बता दें कि एआई समिट के दौरान प्रदर्शन करने वाले कांग्रेस के कार्यकर्ताओं पर दिल्ली पुलिस कार्रवाई कर रही है। इससे पहले चार लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया था। इस मुद्दे पर बड़ी संख्या में प्रमुख शिक्षाविदों ने भी संयुक्त बयान जारी कर युवा कांग्रेस के सदस्यों के एआई कार्यक्रम के खिलाफ विरोध करने के दुर्भाग्यपूर्ण और असंवेदनशील तरीके पर खेद प्रकट किया।

अंतरराष्ट्रीय मंच पर राजनीति

उन्होंने कहा कि यह न तो एक पक्ष का मंच था और न ही घरेलू राजनीतिक के प्रचार का स्थल। एक अंतरराष्ट्रीय मंच को राजनीतिक प्रदर्शन के अवसर में बदलना गंभीर निर्णय क्षमता की कमी को दर्शाता है। पता चलता है कि पार्टी लोकतांत्रिक असहमति और वैश्विक मंच पर राष्ट्रीय प्रतिष्ठा बीच अंतर करने में असमर्थ रही। बयान में कुमाऊं विश्वविद्यालय, राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलपति, पेरियार विश्वविद्यालय, मणिपुर विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति और देशभर के विभिन्न संस्थानों के कई प्रोफेसर, सहायक प्रोफेसर और शोध छात्र शामिल हैं।

100 से अधिक शिक्षाविदों के हस्ताक्षरित संयुक्त बयान में कहा गया कि वास्तव में भारत के आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, जिसे नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया गया।उन्होंने कहा, स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित 2025 ग्लोबल एआई वाइब्रेंसी इंडेक्स के अनुसार भारत अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में वैश्विक स्तर पर तीसरे स्थान पर है , जो रिसर्च, उत्पादन, प्रतिभा विकास और बुनियादी ढांचे में महत्वपूर्ण प्रगति को दर्शाता है।

देश में मौसम के अलग - अलग रंग

पहाड़ों में बर्फ, मैदानी इलाकों में तीखी धूप एमपी के कई जिलों में बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली/भोपाल, दोपहर मेट्रो

देश में फरवरी के आखिरी हफ्ते में अलग - अलग तरह का मौसम चल रहा है। उत्तर भारत में बर्फबारी और कोहरे का असर है जबकि मैदानी राज्यों में दिन का तापमान 34 डिग्री से ज्यादा पहुंच चुका है।

इधर , दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर बने लो प्रेशर एरिया के कारण आने वाले 24 घंटों में नर्मदापुरम, बैतूल, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा और सिवनी जैसे दक्षिणी जिलों में बादल छाने और हल्की बारिश होने की संभावना है। आज मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ समेत पूर्व-पश्चिम भारत के 10 राज्यों में बारिश का यलो अलर्ट है। मध्य प्रदेश में फरवरी में चौथी बार बारिश की संभावना है। फरवरी के शुरुआत में ही प्रदेश में दो बार ओले, बारिश और आंधी का दौर रह चुका है।

राजस्थान के बाड़मेर, झारखंड के सरायकेला-चाईबासा में फरवरी में ही पारा 34 डिग्री से ज्यादा हो चूका है। उत्तर पूर्व में सिक्किम में रविवार को बर्फबारी हुई। राज्य के शेरेथांग इलाके में जवाहरलाल नेहरू रोड पर सिप्सू और 16 माइल के बीच त्सांगू के पास करीब 350 टूरिस्ट गाड़ियां फंस गईं।

केदारनाथ यात्रा 22 अप्रैल से होगी शुरू

केदारनाथ धाम की यात्रा तैयारियों को लेकर प्रशासन ने कमर कस ली है। पैदल मार्ग पर जमी बर्फ को हटाने का कार्य 15 मार्च से शुरू किया जाएगा। इन दिनों धाम में बर्फबारी का दौर जारी है। इस वर्ष चारधाम यात्रा का शुभारंभ अप्रैल महीने में ही हो रही है। आमतौर पर केदारनाथ के कपाट मई के प्रथम सप्ताह में खुलते हैं, लेकिन इस बार कपाट 22 अप्रैल को श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोल दिए जाएंगे।

न्यूज विंडो

नेपाल : बस नदी में गिरी 18 की मौत, 25 घायल

काठमांडू। नेपाल के धादिंग जिले में सोमवार देर रात एक बस हाईवे से नदी में गिर गई। हादसे में 18 लोगों की मौत हो गई, जबकि 25 घायल हैं। मृतकों में एक पुरुष और एक महिला विदेशी नागरिक शामिल हैं। हालांकि, यह किस देश से थे और इनके नाम अभी सामने नहीं आए हैं। अब तक 17 शव बरामद किए जा चुके हैं। बाद में एक अन्य यात्री की मौत की पुष्टि हुई, जिससे मृतकों का आंकड़ा 18 हो गया। हादसे में घायल लोगों को रेस्क्यू कर अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। अब तक मृतकों और घायलों की पहचान नहीं हो सकी है।

कोलकाता में पूर्व रेल मंत्री मुकुल रॉय का हुआ निधन

कोलकाता। पूर्व रेल मंत्री मुकुल रॉय का निधन हो गया है। रात करीब 2.35 के आसपास निधन हुआ है। मुकुल राय 72 साल के थे। वे लंबे समय से कोलकाता के अपोलो हॉस्पिटल में भर्ती थे। मुकुल रॉय पिछले कुछ महीनों से कोमा में थे। डॉक्टरों ने बताया कि अनुभवी टीएमसी नेता की मौत कार्डियक अरेस्ट से हुई है।

मेक्सिको में ड्रग तस्कर की मौत के बाद हिंसा

मेक्सिको सिटी। मेक्सिकन सेना ने एक ऑपरेशन के तहत देश के सबसे बड़े ड्रग तस्कर को मार गिराया। नेमेसियो रूबन ओसेगुएरा सर्वेंटेस उर्फ अल मेंचो, जलिस्को न्यू जनरेशन कार्टेल का लीडर था और दुनिया के मोस्ट वॉन्टेड अपराधियों में शामिल था। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, जलिस्को में सेना की कार्रवाई के दौरान वह घायल हुआ।

आज का कार्टून

भोपाल में सनसनीखेज वारदात... पुलिस की कार्रवाई पर सवाल

स्नूकर क्लब में दसवीं के छात्र को चाकुओं से गोदा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राजधानी में 10 वीं कक्षा के एक छात्र पर दो नाबालिग छात्रों ने पूल गेम खेलते समय चाकू और छुरी से जानलेवा हमला कर दिया। घटना टीला जमालपुरा स्थित गणेश चौक के एक स्नूकर क्लब में हुई। एक हफ्ते पहले हुई घटना का सीसीटीवी फुटेज 22 फरवरी को सामने आया है, जिसमें आरोपी फिल्मी अंदाज में अंदर घुसते और ताबड़तोड़ हमला करते दिखाई दे रहे हैं। दोनों आरोपियों ने महज 30 सेकंड में छात्र पर 27 वार किए और मौके से फरार हो गए। घायल छात्र किसी तरह अपनी जान बचाने में सफल रहा। हमले में उसकी एक कलाई पर 10 से अधिक गहरे कट लगे

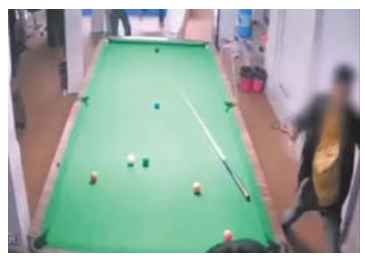

हैं, जबकि दूसरे हाथ की दो उंगलियां कट गई हैं। कंधे और पीठ पर भी गंभीर चोटों के निशान हैं। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज जारी है। पुलिस के अनुसार, घायल 16 वर्षीय छात्र गौतम नगर थाना क्षेत्र का निवासी है और रोजाना पूल खेलने क्लब आता था। कुछ दिन पहले उसका क्लब में ही16 वर्षीय दो अन्य नाबालिगों से विवाद हो गया था। बताया जा रहा है कि उस दौरान छात्र ने दोनों को थप्पड़ मार दिए थे। इसी रंजिश में आरोपियों ने बदला लेने की नीयत से हमला किया। हमला करने वाले दोनों नाबालिग भी 10वीं कक्षा के छात्र हैं और घायल के साथ कोचिंग में पढ़ते हैं। पूल गेम में वर्चस्व को लेकर दोनों पक्षों में पहले भी तनातनी हो चुकी थी। घटना को लेकर पुलिस कार्रवाई पर सवाल उठ रहे हैं। पुलिस ने साधारण धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की और दोनों आरोपियों को गिरफ्तार करने के बाद नोटिस देकर थाने से छोड़ भी दिया गया।

फडणवीस का अमित शाह से अनुरोध

अजित पवार के प्लेन क्रैश को लेकर सीएम ने की सीबीआई जांच की मांग

मुंबई, एजेंसी

पुणे के बारामती में 28 जनवरी को हुए प्लेन क्रैश में महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार की मौत हो गई थी। इस मामले में अब मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से सीबीआई जांच के आदेश देने का अनुरोध किया है। सीएम फडणवीस ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, महायुति सरकार अजित पवार की प्लेन क्रैश में हुई मौत के सभी शकों को दूर करना चाहती है।महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा, 'मुझे बीजेपी की सहयोगी पार्टी

एनसीपी से एयर क्रैश की सीबीआई जांच की मांग वाला एक लेटर मिला था और मैंने गृह मंत्री अमित शाह से बात की है।' सीएम फडणवीस ने आगे कहा, डायरेक्टरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन और राज्य की सीआईडी टीम की जांच के साथ-साथ सीबीआई जांच कराने का भी अनुरोध किया गया है।'

तेजस विमान का ब्रेक फेल रनवे से आगे निकला

नईदिल्ली, एजेंसी

इंडियन एयर फोर्स का हल्का लड़ाकू विमान तेजस लैंडिंग के दौरान रनवे से आगे निकल गया। शुरुआती जांच में ब्रेक फेल होने की आशंका जताई जा रही है। घटना 7 फरवरी की है। जानकारी अब सामने आई है। विमान ट्रेनिंग उड़ान के बाद एयरबेस पर लौट रहा था। लैंड करते ही पायलट ने ब्रेक लगाने की कोशिश की। जब ब्रेक नहीं लगा तो विमान रनवे से बाहर निकल गया। दुर्घटना से पहले पायलट सुरक्षित बाहर निकल गया। विमान को नुकसान पहुंचा है। हादसा किस एयरबेस पर हुआ, ये जानकारी सामने नहीं आई। सूत्रों ने बताया कि इस घटना के बाद, एयरफोर्स ने करीब 30 सिंगल-सीट तेजस जेट के पूरे बेड़े को टेक्निकल जांच के लिए ग्राउंड कर दिया। यानी जांच पूरी होने तक विमान उड़ान नहीं भरेंगे। हादसे पर IAF की तरफ से कोई ऑफिशियल बयान नहीं आया है।

परिसर में कांग्रेस का मुखौटे पहनकर प्रदर्शन

लाड़ली बहना के रजिस्ट्रेशन पर विधानसभा में विपक्ष का हंगामा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

इंडिया-यूएस फ्री ट्रेड एग्रीमेंट के विरोध में विधानसभा की कार्रवाई शुरू होने से पहले आज कांग्रेस विधायकों ने विधानसभा परिसर के बाहर प्रदर्शन किया। सदन में लाड़ली बहना के नए रजिस्ट्रेशन को लेकर शोरशराबा हुआ।

इस दौरान कुछ विधायक पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मुखौटे पहनकर विरोध जताते नजर आए। विधानसभा में बजट पर चर्चा चल रही है। माना जा रहा है कि उपनेता प्रतिपक्ष रहे हेमंत कटारे अपने इस्तीफे को लेकर आज ही अपना पक्ष रख सकते हैं। कटारे ने दो दिन पहले 19 फरवरी को उप नेता प्रतिपक्ष के पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद से वे सार्वजनिक रूप से नजर नहीं आए और न ही उनका बयान सामने आया। आज विधानसभा पहुंचने पर वे इस्तीफे को लेकर अपनी बात रख सकते हैं।

कांग्रेस ने पूछा कब होंगे लाड़ली बहना के रजिस्ट्रेशन: सदन में कांग्रेस ने लाड़ली बहना के रजिस्ट्रेशन को लेकर हंगामा किया। विधायक महेश परमार ने कहा कि योजना में पात्र अन्य नई बहनों का पंजीयन कब शुरू होगा, सरकार इसकी जानकारी नहीं दे रही है। इस पर भाजपा विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा कि मंत्री तो सही जवाब देते हैं, पर जीतू पटवारी बहनों को क्या कहते हैं, पहले यह तो जानकारी ले लो।

मेट्रो एंकर

भारत में 20 मिनट तक रहेगा अद्भुत खगोलीय घटना का नजारा

सिंह राशि में 3 मार्च को लगेगा साल का पहला चंद्रग्रहण, दिखेगा 'ब्लड मून'

नईदिल्ली. एजेंसी

आगामी 3 मार्च मंगलवार को इस साल का पहला चंद्र ग्रहण लगने वाला है। इस बार लगने वाला चंद्र ग्रहण 'ब्लड मून' में दिखाई देगा। यह ग्रहण सिंह राशि और पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र में लगने जा रहा है। जोलोग हमेशा ऐसी खगोलीय घटनाओं का इंतजार करते हैं, वे अपनी आंखों से इस अद्भुत घटना को देख पाएंगे। ज्योतिषियों के अनुसार इस ग्रहण का होलिका दहन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा क्योंकि इस बार होली का पर्व 2 मार्च दिन सोमवार को मनाया जाएगा। भारत में ग्रहण केवल अंतिम चरण में ही देखा जा सकेगा, क्योंकि यहां जब चंद्रोदय हो रहा होगा, तब तक ग्रहण समापन की ओर बढ़ रहा होगा। इसका दृश्य चरण लगभग 20 मिनट तक रहेगा। हालांकि पृथ्वी की छाया दोपहर में ही चंद्रमा से संपर्क करना शुरू कर देगी। यह चंद्र ग्रहण ब्लड मून होने वाला है।

दरअसल जब चंद्रमा पूरी तरह पृथ्वी की छाया में आ जाता है, तब वह गहरा लाल रंग का दिखाई देने लगता है। इसलिए इसे ब्लड मून कहा जाता है। इस दृश्य को देखने के लिए किसी ऐसे स्थान का चयन करना होगा जहां आसमान साफ हो और रोशनी का प्रदूषण ना हो। अगर आसमान साफ रहे और लोग शांत वातावरण में इसका आनंद लें तो यह अनुभव और भी यादगार बन सकता है। भारतीय समय के अनुसार ग्रहण दोपहर 3 बजकर 20 मिनट पर शुरू होगा और शाम 6 बजकर 47 मिनट तक रहेगा। चंद्रग्रहण ग्रहों के राजा सूर्य की राशि सिंह और पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र में लगने जा रहा है। ऐसे में इस राशि के जातकों को ग्रहण के बाद धार्मिक और आध्यात्मिक कार्यों में भाग लेने और दान करने की सलाह दी जाती है।

आज से दुर्लभ पंचग्रही संयोग, वैश्विक तनाव के संकेत: ग्रहों के सेनापति माने जाने वाले मंगल सोमवार, 23 फरवरी की शाम मकर से कुंभ राशि में प्रवेश करेंगे। ज्योतिषीय गणनाओं के अनुसार इस परिवर्तन के साथ ही कुंभ राशि में पांच ग्रहों का दुर्लभ संयोग बन रहा है। यह पंचग्रही योग है। ज्योतिष के अनुसार मंगल सेना, पुलिस, शस्त्र, अग्नि और ऊर्जा का कारक ग्रह है। जब यह एक साथ कई ग्रहों के समूह में आता है तो संघर्ष, तनाव और टकराव जैसी परिस्थितियों के संकेत प्रबल हो जाते हैं। वर्तमान में कुंभ राशि में सूर्य, मंगल, बुध, राहु और शुक्र की युति से पंचग्रही योग बन रहा है, जिससे टकराव की आशंका बढ़ती है।

होलिका दहन के लिए 12 मिनट

पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर-जोधपुर के निदेशक और विख्यात ज्योतिषाचार्य डॉ. अनीष व्यास के अनुसार होली का पर्व 2 और 3 मार्च को मनाया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि सोमवार 2 मार्च को होलिका दहन किया जाएगा, जबकि अगले दिन मंगलवार 3 मार्च को धुलंडी यानी रंगों का त्यौहार मनाया जाएगा। शास्त्रसम्मत नियमों के अनुसार होलिका दहन भद्रा रहित प्रदोष व्यापिनी पूर्णिमा को करना ही श्रेष्ठ माना गया है। 2 मार्च को पूर्णिमा तिथि शाम 5.56 बजे से प्रारंभ होगी। इसी समय से भद्रा काल भी शुरू हो जाएगा जो अगले दिन सुबह 5.32 बजे तक रहेगा। डॉ. व्यास ने बताया कि इस बार प्रदोष काल में होलिका दहन के लिए केवल 12 मिनट का समय उपलब्ध रहेगा। शाम 6.24 बजे से शाम 6.36 बजे के बीच का समय दहन के लिए सर्वश्रेष्ठ है।

सरकार के 4000 कर्मचारी मांग रहे घर

स्मार्ट सिटी में टूटे 3146 आवासों में से अब तक 31 प्रतिशत भी नए नहीं बने

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

मप्र की राजधानी में निवासरत शासकीय अधिकारी-कर्मचारी रहने के लिये घर तलाश रहे हैं। करीब 11 वर्ष पुरानी स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत 3146 भवनों के टूटने के बाद नये आवासों के निर्माण में देरी के चलते यह स्थिति बनी है। क्योंकि योजना क्रियांवयन के तहत तोड़े गये शासकीय आवासों के मुकाबले स्मार्ट सिटी अब तक 31 प्रतिशत आवास भी पूरे नहीं कर पाया है। बता दें कि राजधानी भोपाल में 30 हजार से अधिक अधिकारी-कर्मचारी कार्यरत हैं। नमें अधिकांश आवास की समस्या से जूझ रहे हैं। क्योंकि सरकार के पास 11 हजार से अधिक आवास नहीं रहे है।

उत्तर-दक्षिण तात्याटोपे नगर में लोक निर्माण विभाग द्वारा बनाये गये 3146 शासकीय आवासों के टूटने के बाद यह समस्या इसलिये भी गहरा गई है क्योंकि, परियोजना के तहत स्मार्ट सिटी तोड़े गये मकानों का 31.72 प्रतिशत ही मकान बना पाई है। जिसमें सिर्फ रहने लायक 915 आवास ही बने हैं। 336 अभी निर्माणाधीन हैं। दक्षिण-पश्चिम क्षेत्र विधायक भगवानदास सबनानी ने राजधानी में आवास की कमी का मामला विधानसभा के माध्यम उठाते हुए सरकार को जबाव तलब किया था। बावजूद इसके आवश्यकतानुसार आवास कब तक निर्मित किये जाने की योजना है को लेकर सरकार ने कोई जबाव नहीं दिया है। मप्र तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ के महासचिव उमाशंकर तिवारी का कहना है कि राजधानी में आवास बढ़ने चाहिये। कम आवास और आवंटन में पेचीदगियों को देखते हुए कई बिना आवास ही सेवानिवृत्त होने की कगार में है। यह कर्मचारियों की जरूरत है।

20 हजार से अधिक पेड़ों को काट दिया

उत्तर-दक्षिण तात्याटोपे नगर में करीब 342 एकड़ क्षेत्र में फैले शासकीय आवासीय परिक्षेत्र में 20 हजार से अधिक पेड़ थे। यह इन आवासों में निवासरत अधिकारी-कर्मचारियों द्वारा लगाये गये थे। बावजूद इसके स्मार्ट सिटी के नाम पर इनको काट दिया गया। जिससे शहर को पर्यावरणीय क्षति भी हुई है। अधिकारी-कर्मचारियों को आवास के अभाव में सरकार आवास भाड़ा मुहैया कराती है। वेतनमान और शहर की स्थिति के अनुसार इसका निर्धारण किया जाता है। मौजूदा समय में सरकार 20 हजार से अधिक लोगों को प्रतिमाह इसका भुगतान कर रही है। राजधानी के मामले में ही यह लाखों रूपये प्रतिमाह पहुंच जाती है।

खान-पान और स्थानीय जरूरतों को ध्यान में रख दवाओं के नए मानक तैयार होंगे

एम्स में विदेशी फॉर्मूले की जगह अब 'देसी मानक' से होगा सटीक इलाज

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

अभी तक किसी बीमारी के उपचार में मरीज को दवा की कितनी खुराक देनी है यह अमेरिका और यूरोप के चिकित्सा मानकों (गाइडलाइंस) पर के आधार पर तय होता है। जल्दी ही यह मानक बदलने वाला है। भोपाल का अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) अब भारतीयों की शारीरिक बनावट, खान-पान और स्थानीय जरूरतों को ध्यान में रखते हुए दवाओं के नए मानक तैयार करेगा।

संस्थान का तकनीकी संसाधन केंद्र मुख्य रूप से बच्चों की खांसी, स्टेम सेल चिकित्सा, थायराइड (हाइपोथायरायडिज्म) और साइनसाइटिस के इलाज के लिए राष्ट्रीय मानक विकसित कर रहा है। एम्स विशेषज्ञों का कहना है कि भारतीयों की प्रतिरोधक क्षमता और जेनेटिक संरचना यूरोपीय-अमेरीकी देशों के लोगों से अलग होती है।

विदेशी मानकों के आधार पर दवा देने से कई बार भारतीय मरीजों को जरूरत से अधिक मात्रा हो जाती है। इसके विपरीत प्रभाव (साइड इफेक्ट) शरीर पर पड़ते हैं। इसके अलावा विदेशी मानकों के कारण कई बार ऐसी महंगी दवाएं या टेस्ट लिखे जाते हैं जिनकी भारतीय परिस्थितियों में जरूरत ही नहीं होती। इससे मरीजों पर आर्थिक बोझ ब?ता है और इलाज लंबा खिंचता है। एम्स की इस पहल से अब यह वैज्ञानिक रूप से तय होगा कि भारतीय बच्चों को इन चार बीमारियों में दवा की कितनी खुराक देनी चाहिए और उपचार कितने दिनों तक चलना चाहिए। उदाहरण के लिए बच्चों की खांसी के लिए कफ सीरप का चयन अब और अधिक सुरक्षित और सटीक होगा। एम्स भोपाल का तकनीकी संसाधन केंद्र, केंद्रीय

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अधीन स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग (डीएचआर) के तहत इस नई परियोजना पर काम कर रहा है।

त्रासदी साबित हुई है ओवरडोज

पिछले वर्ष छिंदवाड़ा-बैतूल जिलों में एक खास ब्रांड के कफ सीरप के सेवन से 25 बच्चों की मौत हो गई थी। शुरुआती जांच में यह तथ्य सामने आए थे कि दो साल से भी कम उम्र के बच्चों को दवा की आवांछित खुराक दी गई थी। जिसकी वजह से उनकी किडनी को नुकसान पहुंचा। बाद में दवा अमानक भी पाई गई। पिछले दिनों इंदौर में एक बच्चे को मामूली खांसी-जुकाम होने पर परिजनों ने बिना डाक्टर से पूछे कफ सिरप दे दिया था। दवा देने के कुछ ही देर बाद बच्चे की हालत बिगड़ गई और उसे बचाया नहीं जा सका। जांच में सामने आया कि सीरप में मौजूद तत्वों ने बच्चे के श्वसन तंत्र को सुस्त कर दिया था।

एम्स के कार्यपालक निदेशक डॉ. माधवानन्दकर ने बताया कि हम भारतीयों की विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुरूप राष्ट्रीय उपचार दिशा-निर्देश तैयार कर रहे हैं। इससे न केवल इलाज की गुणवत्ता में सुधार होगा, बल्कि यह स्वास्थ्य सुरक्षा की दिशा में एक बड़ा कदम साबित होगा।

यह होता है नुकसान

मौजूदा मानकों से तय की गई दवा भारतीय बच्चों के लिए अक्सर ओवरडोज साबित होती है। इससे बच्चों में अत्यधिक सुस्ती, सांस लेने की गति का धीमा होना और हृदय गति में असमान्यता जैसे खतरनाक लक्षण देखे गए हैं। पश्चिमी देशों के लोगों की तुलना में भारतीयों का मेटाबालिज्म (पाचन और ऊर्जा प्रक्रिया) अलग होता है। ऐसे में हाइपोथायरायडिज्म के लिए मौजूदा मानकों पर दवा लेने से उनमें घबराहट, अनिद्रा और समय से पहले हड्डियों के कमजोर होने (आस्टियोपोरोसिस) जैसी शिकायतें बढ़ रही हैं। साइनसाइटिस जैसे रोगों में विदेशी प्रोटोकाल के तहत हैवी एंटीबायोटिक्स दी जाती हैं। इससे भारतीयों के पेट में मौजूद गुड बैक्टीरिया (जो पाचन में सहायक होते हैं) खत्म हो जाते हैं, जिससे पाचन तंत्र स्थायी रूप से कमजोर हो जाता है। शरीर में दवाओं की जरूरत से ज्यादा मात्रा पहुंचने के कारण बैक्टीरिया उनके प्रति प्रतिरोधी हो जाते हैं, जिससे भविष्य में साधारण संक्रमण होने पर भी दवाएं असर करना बंद कर देती हैं।

हार्ट-लंग फेल्योर मरीजों को लाइफ सपोर्ट सुविधा भी मिलेगी

बिना सर्जरी खून का थक्का हटाने की तकनीक शुरू

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

भोपाल में स्वास्थ्य क्षेत्र में दो बड़ी और जीवनरक्षक सुविधाओं की शुरुआत हुई है। एक ओर जहां अब बिना बड़ी सर्जरी के जटिल रक्त के थक्के निकालने की उन्नत तकनीक उपलब्ध होगी, वहीं दूसरी ओर हार्ट और लंग फेल्योर के गंभीर मरीजों को ट्रांसप्लांट तक सुरक्षित रखने के लिए अत्याधुनिक लाइफ सपोर्ट सिस्टम शुरू किया गया है। इन सुविधाओं के शुरू होने से न केवल मध्यप्रदेश बल्कि छत्तीसगढ़ के मरीजों को भी बड़ा लाभ मिलेगा। डॉ. सक्सेना ने बताया कि पहले यह उपकरण किराये पर लिया जाता था, जिससे समय तय करने में कठिनाई होती थी। अब उपकरण खरीद लिए जाने के बाद यह सुविधा 24×7 उपलब्ध रहेगी। नई स्ट्रोक गाइडलाइंस 2026 के अनुसार त्वरित थ्रोम्बेक्टॉमी आधारित उपचार को प्राथमिकता दी जा रही है। विशेषज्ञों ने नागरिकों से अपील की है कि अचानक कमजोरी, सूजन, तेज दर्द, त्वचा का रंग बदलना, बोलने में कठिनाई या सुन्नता जैसे लक्षण दिखें तो तुरंत विशेषज्ञ से संपर्क करें।

तकनीक से बची 72 वर्षीय मरीज की जान: हाल ही में 72 वर्षीय राधेश्याम रघुवंशी, जो आइडियोपैथिक पल्मोनरी फाइब्रोसिस से पीड़ित थे, गंभीर सांस की तकलीफ के कारण भर्ती हुए। डॉ. खुशबू सक्सेना और उनकी टीम ने ईसीएमओ के जरिए उनकी स्थिति को स्थिर किया। इसके बाद उन्हें एयरलिफ्ट कर अपोलो हॉस्पिटल्स दिल्ली भेजा गया, जहां उनका सफल सीक्वेंशियल लंग ट्रांसप्लांट किया गया। विशेषज्ञों के अनुसार, गंभीर फेफड़ों की बीमारी में समय पर ईसीएमओ का उपयोग मरीज की जान बचाने और ट्रांसप्लांट की तैयारी में अहम भूमिका निभाता है। दूसरी महत्वपूर्ण सुविधा नोबल मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल (निजी अस्पताल) में शुरू हुई है। यहां उन्नत रियोलिटिक थ्रोम्बेक्टॉमी तकनीक से इलाज की सुविधा शुरू की गई है। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार, यह मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में अपनी तरह की पहली उन्नत तकनीक है।

मैकेनिकल हार्ट पंप से मिलेगा सपोर्ट

अपोलो सेज हॉस्पिटल (निजी अस्पताल) में हार्ट और लंग फेल्योर के गंभीर मरीजों के लिए विशेष उपचार सुविधा शुरू की गई है। अस्पताल में मरीजों को स्थिर करना, ट्रांसप्लांट तक सुरक्षित बनाए रखना और स्थायी मैकेनिकल हार्ट पंप जैसी सुविधाएं मुहैया कराई जा रही हैं। यहां एक्सट्राकोर्पोरियल मेम्ब्रेन ऑक्सीजनशन (ईसीएमओ) तकनीक उपलब्ध है, जो एक उन्नत लाइफ सपोर्ट सिस्टम है। इसका उपयोग तब किया जाता है, जब दिल या फेफड़े सामान्य उपचार से ठीक नहीं हो रहे हों। अस्पताल में वीवी-ईसीएमओ (फेफड़ों के लिए) और वीए-ईसीएमओ (दिल और फेफड़ों दोनों के लिए) की सुविधा मौजूद है।

आउटसोर्सकर्मियों का न्यूनतम वेतन बढ़ा

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

मप्र के 30 लाख से अधिक निजी - सरकारी श्रमिकों और आउटसोर्स कर्मियों को 1 अप्रैल 2024 को घोषित बढ़ा हुआ न्यूनतम वेतन और अब तक का एरियर मिलने का रास्ता साफ़ हो गया है। श्रमायुक्त ने आदेश जारी किये हैं कि सभी सरकारी विभाग -निकाय श्रमिकों और आउटसोर्स कर्मियों को बढ़ा हुआ वेतनमान देना सुनिश्चित करें और एरियर, यदि हो तो, उसका भी भुगतान करें। श्रम संगठनों का आरोप है की बड़ी संख्या में सरकारी विभागों और लगभग सभी निजी सेक्टर में अप्रैल 2024 के आदेश का पालन नहीं हुआ है। न्यूनतम वेतन सलाहकार बोर्ड ने नवंबर 2019 में श्रमिकों के वेतन में 25त्न वृद्धि की अनुशंसा की थी। इस अनुशंसा को सरकार ने 1 अप्रैल 2024 से लागू किया। श्रमिकों को अप्रैल में बढ़ा हुआ वेतन मिला था।

कुत्तों का आतंक, हर दिन सामने आ रहे काटने के सैकड़ों मामले

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

शहर में आवारा श्वानों के हमले लगातार बढ़ रहे हैं। अकेले जेपी अस्पताल में ही प्रतिदिन औसतन 150 से 160 लोग कुत्तों के काटने के बाद रेबीज का इंजेक्शन लगवाने पहुंच रहे हैं। शहर की सड़कों पर भी जगह-जगह कुत्तों के झुंड खुले में घूमते नजर आ जाते हैं, जबकि नगर निगम प्रतिदिन आंकड़े जारी कर कुत्तों की नसबंदी करने को लेकर दावे करता रहता है। वहीं, जेपी अस्पताल के कमरा नंबर 24 (वैक्सीनेशन कक्ष) में सुबह नौ बजे से ही घायलों की भीड़ जमा हो जाती है, जिनमें बच्चों और बुजुर्गों की संख्या अधिक है। शहर के विभिन्न क्षेत्रों में कुत्तों ने अपनी टैरेटरी बना ली है। लोगों का आरोप है कि नगर निगम का नसबंदी कार्यक्रम केवल कागजों तक सीमित है। सड़कों पर बढ़ती संख्या और उनकी आक्रामकता को रोकने में अमला पूरी तरह विफल है। हिंसक कुत्तों को आबादी से दूर करने की कोई ठोस व्यवस्था नहीं है। अस्पताल में वैक्सीनेशन के लिए पहुंचे संतोष पांडेय ने बताया कि बीते दिन एमएलए रेस्ट क्षेत्र में एक कुत्ते ने काटकर घायल कर दिया। उसी श्वान ने 20 से अधिक लोगों को भी काटकर घायल कर दिया था। संतोष पांडेय ने बताया कि एमएलए रेस्ट हाउस के पास पूरे दिन बड़ी संख्या में आवारा कुत्ते घूमते रहते हैं। वहीं बाग मुगलिया निवासी 32 वर्षीय जोगेंद्र सिंह अपने घर के बाहर बैठकर अखबार पड़ रहे थे। इसी दौरान एक कुत्ते ने पीछे से आकर हमला कर दिया। कुत्ते के दांत लगने से उनका पैर जख्मी हो गया।

ब्रीद न्यूज

एक करोड़ की लागत से संवरेगा मालीखेड़ी

भोपाल, दोपहर मेट्रो। गोविंदपुरा में विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन किया गया है। लगभग 2 करोड़ रुपये की लागत से क्षेत्र में अनेक महत्वपूर्ण निर्माण कार्य कराए जाएंगे, जिनमें मालीखेड़ी विसर्जन घाट का उन्नयन प्रमुख है। इस अवसर पर पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कृष्णा गौर ने कहा कि मालीखेड़ी विसर्जन घाट को 1 करोड़ 45 लाख रुपये की लागत से आधुनिक एवं सुविधायुक्त बनाया जाएगा। घाट पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पक्का प्लेटफॉर्म, सुरक्षा रेलिंग, समुचित प्रकाश व्यवस्था, बैठने की व्यवस्था तथा स्वच्छता संबंधी आवश्यक प्रबंध किए जाएंगे। गौर ने कहा कि गोविंदपुरा क्षेत्र में विकास कार्यों को निरंतर प्राथमिकता दी जा रही है। गोविन्दपुरा में वार्ड 72 के मालीखेड़ी में सीसी रोड एवं आरसीसी नाली निर्माण कार्य तथा मेन रोड स्थित दुर्गा मंदिर के चबूतरे के निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया, जिसकी लागत 7 लाख 18 हजार रुपये है।

चार मार्च को होली का अवकाश देने की मांग

भोपाल, दोपहर मेट्रो। 3 मार्च को चंद्रग्रहण के कारण सूतक रहने से होली का रंग नहीं खेला जाएगा। ऐसे में 4 मार्च को रंग खेला जाएगा। तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ के महामंत्री उमाशंकर तिवारी ने बताया कि इस वर्ष होलिका दहन 2 मार्च को एवं 3 मार्च को होली खेली जाएगी। 3 मार्च को शासकीय कार्यालय सहित स्कूल कॉलेज में भी अवकाश रहेगा, किंतु 3 मार्च को सूर्य ग्रहण के कारण सूतक रहेगा और होली खेलने को लेकर भ्रम पैदा हो रहा है। शासन से मांग है कि शासकीय अवकाश 3 के बजाय 4 मार्च को घोषित किया जाए।

तकनीकी संसाधन केंद्रों में एम्स को दूसरा स्थान

भोपाल, दोपहर मेट्रो। एम्स भोपाल ने साक्ष्य-आधारित चिकित्सा दिशा-निर्देशों के विकास में देशभर के 27 तकनीकी संसाधन केंद्रों के बीच दूसरा स्थान प्राप्त किया। यह सम्मान जोधपुर में आयोजित डीएचआर तकनीकी संसाधन केंद्र सम्मेलन में दिया गया। वर्तमान में एम्स भोपाल का तकनीकी संसाधन केंद्र स्टेम सेल चिकित्सा, बच्चों के लिए खांसी की दवाएं, तीव्र साइनसाइटिस तथा हाइपोथायरायडिज्म जैसे महत्वपूर्ण विषयों को विकसित करने समीक्षा कर रहा है। यह सम्मान भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉ. राजीव बहल ने दिया।

ओटीपी, पिन की जानकारी साझा न करने की अपील रेलवे अधिकारियों के नाम पर फर्जी कॉल का जाल

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

रेलवे अधिकारियों के नाम पर फर्जी फोन कॉल कर सेवानिवृत्त और सेवानिवृत्ति के करीब पहुंच चुके रेलवे कर्मचारियों को निशाना बनाने का मामला सामने आया है। ठग खुद को रेलवे अधिकारी बताकर बैंक खाता नंबर, एटीएम कार्ड डिटेल, ओटीपी, पिन और अन्य गोपनीय जानकारी मांग रहे हैं। रेलवे ने इसे गंभीर साइबर धोखाधड़ी की कोशिश बताते हुए सभी कर्मचारियों और पेंशनर्स को सतर्क रहने की अपील की है। पश्चिम मध्य रेलवे के जनसंपर्क अधिकारी ने स्पष्ट किया है कि रेलवे का कोई भी अधिकारी या विभाग फोन पर बैंक संबंधी गोपनीय जानकारी, ओटीपी, पिन या पासवर्ड नहीं मांगता है। यदि कोई व्यक्ति रेल अधिकारी बनकर इस प्रकार की जानकारी मांगता है तो वह कॉल पूरी तरह फर्जी है। प्रशासन ने कहा है कि ऐसे किसी भी संदिग्ध फोन कॉल पर अपनी व्यक्तिगत या बैंकिंग जानकारी साझा न करें। यदि किसी कॉल के माध्यम से किसी प्रकार की जानकारी मांगी जाती है तो उसकी सत्यता की पुष्टि संबंधित कार्यालय या बैंक में व्यक्तिगत रूप से संपर्क कर ही करें। रेलवे ने कर्मचारियों और पेंशनर्स से अपील की है कि वे साइबर अपराधियों के झांसे में न आएं और किसी भी परिस्थिति में फोन पर ओटीपी, पिन, एटीएम डिटेल या पासवर्ड साझा न करें।

फिर बढ़ेगा राजधानी में तापमान

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

बारिश के बाद आमसान खुलते ही राजधानी के तापमान में बढ़ोत्तरी शुरू हो गई है। अधिकतम तापमान 7 डिग्री तक बढ़ गया। मौसम विभाग ने अगले 48 घंटों के दौरान 3-5 डिग्री तक इसमें और इजाफे की संभावना जताई है। इस बीच कोई बड़ा सिस्टम सक्रिय नहीं होने से मौसम सामान्य और साफ रहेगा। इसके चलते राजधानी भोपाल में भी रविवार को मौसम लगभग सामान्य रहेगा। आसमान में हल्के बादल छाए रहेंगे। बारिश को लेकर भी मौसम विभाग ने कहीं कोई संभावना नहीं जताई है। दिन के तापमान में बढ़ोत्तरी का अनुमान जताया गया है। इस दौरान न्यूनतम तापमान में किसी तरह का बदलाव नहीं हुआ है। पिछले 24 घंटों के दौरान राजधानी के 3 स्थानों में बारिश दर्ज की गई। सर्वाधिक बारिश 3.1 मिमी बैरसिया में दर्ज की गई है। इसके साथ बैरागढ़ एयरपोर्ट 1.9 मिमी और नवीबाग में 1.8 मिमी पानी गिरा है।

मेट्रो एंकर

एक साल में पूरी होगी प्रक्रिया... इलाज और नीति तय करने में होगी आसानी

गैस पीड़ितों के सालों पुराने मेडिकल रिकॉर्ड होंगे डिजिटल

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

गैस पीड़ितों की वर्षों पुरानी बीमारियों और इलाज का पूरा रिकॉर्ड अब डिजिटल रूप में सुरक्षित किया जाएगा। भोपाल स्मारक अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र ने इस दिशा में भारत सरकार के उपक्रम एचएलएल इन्फ्राटेक सर्विसेज लिमिटेड (हाइट्स) के साथ समझौता किया है। तय हुआ है कि एक साल के भीतर गैस पीड़ितों और उनकी आश्रित संतानों के सभी पुराने मेडिकल रिकॉर्ड स्कैन कर अस्पताल के हॉस्पिटल इन्फॉर्मेशन मैनेजमेंट सिस्टम से जोड़े जाएंगे। इससे इलाज, शोध और भविष्य की स्वास्थ्य नीति तय करने में ठोस आधार मिलेगा। बीएमएचआरसी की प्रभारी निदेशक डॉ. मनीषा श्रीवास्तव और हाइट्स के मध्य भारत के जोनल हेड एवं एसोसिएट वाइस प्रेजिडेंट प्रेम प्रकाश के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर हुए। समझौते के तहत अस्पताल में उपलब्ध सभी गैस पीड़ितों और उनकी आश्रित संतानों के पुराने

मेडिकल रिकॉर्ड को डिजिटल प्रारूप में बदला जाएगा। यह पूरा काम एक वर्ष की निर्धारित अवधि में पूरा किया जाएगा। इसके बाद हर मरीज का इलाज इतिहास, जांच रिपोर्ट, दवाओं का विवरण और पूर्व उपचार संबंधी जानकारी सुरक्षित रूप से ऑनलाइन उपलब्ध रहेगी। नई व्यवस्था से भोपाल में रहने वाले करीब पांच लाख गैस पीड़ितों को फायदा मिलेगा। वर्षों से कागजों में सुरक्षित रिकॉर्ड अब डिजिटल रूप में उपलब्ध होंगे, जिससे मरीजों को बार-बार फाइलें लेकर आने की जरूरत नहीं पड़ेगी। पहल का उद्देश्य गैस पीड़ितों और उनकी आश्रित संतानों को आधुनिक स्वास्थ्य सेवाएं देने की दिशा में लिया गया है। मेडिकल रिकॉर्ड के डिजिटलीकरण से उपचार प्रक्रिया अधिक सरल और प्रभावी होगी। डॉक्टर कंप्यूटर स्क्रीन पर ही मरीज का पूरा स्वास्थ्य विवरण देख सकेंगे। इससे इलाज के दौरान निर्णय तेजी और सटीकता के साथ लिए जा सकेंगे। इमरजेंसी स्थिति में भी रिकॉर्ड तुरंत उपलब्ध होगा। कागजी फाइलों पर निर्भरता कम होगी और अनावश्यक जांचों की दोहराव से बचाव होगा। इससे समय और संसाधनों दोनों की बचत होगी।

रिकॉर्ड सुरक्षित, नीति निर्माण में भी मदद

डिजिटल रिकॉर्ड सुरक्षित रहेंगे, जिससे दस्तावेजों के गुम होने या खराब होने का खतरा समाप्त होगा। लंबे समय से बीमारियों से जूझ रहे गैस पीड़ितों के मामलों का समग्र अध्ययन भी संभव होगा। बीएमएचआरसी की प्रभारी निदेशक डॉ. मनीषा श्रीवास्तव ने कहा कि भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (ICMR) और बीएमएचआरसी गैस पीड़ितों को आधुनिक तकनीक आधारित बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

पीथमपुर इंडस्ट्रियल कॉन्क्लेव में 40 वर्षों की औद्योगिक यात्रा का उत्सव, सीएम बोले

इंडस्ट्रियल ग्रोथ में मालवा का खास स्थान प्रदेश में तेजी से बढ़ रहा है उद्योगों का दायरा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश के औद्योगिक विकास में मालवा का अपना विशिष्ट महत्व है। मालवा क्षेत्र की अनुकूल जलवायु और भौगोलिक स्थिति उद्योगों के लिए अत्यंत उपयुक्त है। दिल्ली और मुंबई जैसे महानगरों तक 8-लेन एक्सप्रेस-वे से दूरी कम होने से यातायात और लॉजिस्टिक्स की सुविधाएं सुदृढ़ हुई हैं। प्रदेश सरकार द्वारा नए प्रोजेक्ट्स के माध्यम से परिवहन और आधारभूत संरचना को और मजबूत किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को इंदौर में पीथमपुर औद्योगिक संगठन द्वारा पीथमपुर इंडस्ट्रियल कॉन्क्लेव एवं पुस्तक विमोचन समारोह को संबोधित कर रहे थे।

सीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में उद्योग, महिला, किसान और गरीब–हर वर्ग के विकास की बयार देश में बह रही है। विभिन्न वैश्विक संगठनों के साथ व्यापारिक समझौते और नई ट्रेड डील्स के माध्यम से भारत निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर होकर विश्व पटल पर अपना परचम लहरा रहा है। देश व्यापार और वाणिज्य के स्वर्णिम काल की ओर बढ़ रहा है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश में औद्योगिक विकास को विशेष प्राथमिकता दी जा रही है। उद्योगों का दायरा निरंतर विस्तारित किया जा रहा है, जिससे औद्योगिक विकास की अवधारणा केवल पीथमपुर तक सीमित न रहकर पूरे प्रदेश और देश में नए आयाम स्थापित करे। हमारी सरकार प्रदेश को औद्योगिक क्षेत्र में नई ऊँचाइयों तक पहुंचाने तथा अंतरिक्ष जैसे उभरते क्षेत्रों में भी संभावनाओं को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि एमपीआईडीसी के माध्यम से इंडस्ट्रियल बेल्ट के समग्र विकास के प्रयास प्रदेश को नई उपलब्धियां प्रदान करेंगे। ये प्रयास मध्यप्रदेश को औद्योगिक रूप से फ्रेंडली प्रदेश बनाने में कारगर सिद्ध होंगे और उद्यमशीलता के विकास को नई दिशा देंगे। सीएम ने कहा कि डॉ. गौतम कोठारी ने साहित्य की साधना के माध्यम से पीथमपुर की 40 वर्षों की भावपूर्ण यात्रा को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया है। वर्ष 1983-84 के दशक में जब मूलभूत सुविधाओं का अभाव था, तब भी पीथमपुर की औद्योगिक बेल्ट ने संघर्ष, परिश्रम, धैर्य और नवाचार के बल पर अपनी पहचान

40 वर्षों की विकास यात्रा पर आधारित स्मारक ग्रंथ का विमोचन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पीथमपुर औद्योगिक क्षेत्र की 40 वर्षों की विकास यात्रा पर आधारित पीथमपुर औद्योगिक संगठन के अध्यक्ष डॉ. गौतम कोठारी द्वारा लिखित स्मारक ग्रंथ "Pithampur: Zero to Zenith - A Journey of y® Years" का विमोचन किया। यह ग्रंथ पीथमपुर की औद्योगिक उत्कर्ष गाथा, उपलब्धियों एवं क्रमिक विकास का विस्तृत दस्तावेज प्रस्तुत करता है।

सीएम का सम्मान

पीथमपुर औद्योगिक संगठन द्वारा प्रदेश के औद्योगिक विकास को गति प्रदान करने एवं निवेश संवर्धन के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्यों हेतु मुख्यमंत्री डॉ. यादव का सम्मान किया गया। इस अवसर पर संगठन के पदाधिकारियों ने शॉल श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर प्रदेश के औद्योगिक विकास में उनके नेतृत्व एवं प्रतिबद्धता के लिए साधुवाद दिया गया।

'एंकर्स ऑफ इंडस्ट्रियल एक्सीलेंस' सम्मान प्रदान

प्रदेश में औद्योगिक विकास को नई दिशा देने एवं निवेश प्रोत्साहन हेतु किए गए प्रभावी प्रयासों के लिए एंकर्स ऑफ इंडस्ट्रियल एक्सीलेंस सम्मान प्रदान किया गया। विशेष रूप से पीथमपुर औद्योगिक संगठन के संस्थापक सदस्यों–वर्ष 1980 के मध्य से 1990 के मध्य तक–के 40 अग्रणी उद्योगपतियों को उनके दूरदर्शी नेतृत्व एवं औद्योगिक नगरी की सुदृढ़ नींव रखने में योगदान हेतु सम्मानित किया गया।

'मध्यप्रदेश के औद्योगिक विकास गान प्रदर्शित

कार्यक्रम के दौरान मध्यप्रदेश के औद्योगिक विकास का गान का औपचारिक प्रदर्शन किया गया। यह प्रेरक गान पीथमपुर औद्योगिक संगठन के अध्यक्ष डॉ. गौतम कोठारी द्वारा निर्मित है, जो प्रदेश के औद्योगिक विकास की प्रेरणादायी तस्वीर प्रस्तुत करता है।

कल राजधानी पहुंचेंगे राहुल और खरगे

अमेरिका के साथ ट्रेड डील के विरोध में कांग्रेस का पहला किसान सम्मेलन भोपाल में

भोपाल, दोपहर मेट्रो

अमेरिका के साथ ट्रेड डील के विरोध में कांग्रेस पहला किसान सम्मेलन मध्य प्रदेश में 24 फरवरी को करने जा रही है। इसमें लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे सम्मिलित होंगे। दोनों

नेता दोपहर 12 बजे के करीब भोपाल पहुंचेंगे और तीन घंटे से अधिक समय तक रहेंगे। इस दौरान वे प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में पार्टी के प्रदेश पदाधिकारियों व जिलाध्यक्षों की बैठक कर सकते हैं। किसान सम्मेलन अटल पथ अथवा लाल परेड मैदान में कराने की तैयारी है। इसमें प्रदेश भर से किसान आएंगे।

राहुल का एक वर्ष में यह पांचवां प्रदेश दौरा– राहुल गांधी का एक वर्ष में यह पांचवां प्रदेश दौरा है। इसके पहले वह इंदौर आए थे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने शनिवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि ट्रेड डील से सबसे अधिक नुकसान मध्य प्रदेश को होने वाला है, इस कारण किसान सम्मेलनों की शुरुआत मध्य प्रदेश से की जा रही है।

राजस्थान, सहित अन्य राज्यों में भी सम्मेलन होंगे

इसके बाद राजस्थान, महाराष्ट्र सहित अन्य राज्यों में भी सम्मेलन होंगे। उन्होंने कहा, देश में कोई सरकार रही हो पर आजादी के 75 वर्ष तक किसी देश को भारत में इस तरह से व्यापार की अनुमति नहीं मिली। इस समझौते से मक्का, कपास और सोयाबीन पर मध्य प्रदेश में बड़ा असर आने वाला है। प्रदेश कांग्रेस प्रभारी हरीश चौधरी ने कहा कि अमेरिका से समझौते का असर किसान ही नहीं व्यापारियों और उद्योगपतियों पर भी पड़ेगा। देश में खराब गुणवत्ता का सामान बेचने की यह ट्रेड डील है।

अमेरिका के किसानों की आय बढ़ेगी: सिंघार

विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने पत्रकारों से बातचीत में कहा, राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे ने चिंता की है कि यह डील देश हित में नहीं है। केंद्र सरकार ने वर्ष 2014 में कहा था कि देश के किसानों की आय दोगुनी होगी, लेकिन ट्रेड डील से अमेरिका के किसानों की आय दोगुनी करना चाहते हैं।

एआई समिट के दौरान विरोध प्रदर्शन में अब एक्शन, ग्वालियर से कांग्रेस नेता को साथ ले गई दिल्ली पुलिस

ग्वालियर। दिल्ली में हुए एआई सबमिट में हुए कांग्रेस विरोध प्रदर्शन मामले में पुलिस एक्शन में आ गई है। दिल्ली पुलिस ग्वालियर के एक यूथ कांग्रेस नेता को अपने साथ दिल्ली लेकर रवाना हुई है। आरोप है कि उस प्रदर्शन में यूथ कांग्रेस नेता शामिल था। दिल्ली पुलिस को अंदेशा है कि इस तरह के प्रदर्शन से देश की छवि खराब करने का प्रयास किया गया है। बता दें कि दिल्ली के भारत मंडपम चल रहे एआई समिट कार्यक्रम के दौरान भारत-अमेरिका ट्रेड डील के खिलाफ यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया था। कार्यक्रम के फुटेज व आधारों पर ग्वालियर के यूनिवर्सिटी थाना क्षेत्र में रहने वाले एक यूथ कांग्रेस पूर्व प्रदेश सचिव जितेंद्र यादव भी शामिल होने की आशंका है। इसी को लेकर दिल्ली से आई पुलिस पार्टी ने तलाश कर हिरासत में लिया और दिल्ली रवाना हो चुकी है। कांग्रेस जिलाअध्यक्ष, ग्रामीण जिलाध्यक्ष सभी लोग थाने एसपी कार्यालय पहुंचे, लेकिन कहीं कोई जानकारी नहीं मिल रही है।

बिजली चोरी में कमी, सरकार की आय इजाफा

शिकायतों के बावजूद नरसिंहपुर में 57 भोपाल में 50 फीसदी स्मार्ट मीटर लगे

भोपाल, दोपहर मेट्रो

एमपी में बिजली के स्मार्ट मीटरों को लेकर आम जनता और कांग्रेस सहित तमाम विपक्षी दल सरकार पर लगातार सवाल उठाते रहते हैं। भोपाल उत्तर सीट से कांग्रेस विधायक आतिफ अकील ने विधानसभा में ऊर्जा मंत्री से स्मार्ट मीटर को लेकर सवाल पूछे। विधायक के सवाल पर ऊर्जा विभाग की ओर से दिए गए जवाब में बताया गया कि स्मार्ट मीटर के कारण अकेले भोपाल और जबलपुर दो संभागों में ?692 करोड़ के राजस्व की बढ़ोत्तरी हुई है। विधानसभा में ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर की जानकारी के अनुसार, भोपाल और जबलपुर संभागों में स्मार्ट मीटर लगने के बाद न केवल बिजली चोरी के मामलों में कमी आई है, बल्कि सरकारी खजाने में भी राजस्व बढ़ा है।

बिजली विभाग की आमदनी बढ़ी सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, स्मार्ट मीटर लगने से दोनों संभागों की बिलिंग दक्षता में बड़ा सुधार हुआ है। जबलपुर संभाग में यहां बिलिंग एफिशिएंसी 73.77त्न से बढ़कर 82.16त्न हो गई है, जिससे राजस्व में ?314 करोड़ की बढ़ोतरी हुई। भोपाल संभाग में बिलिंग दक्षता 76.86त्न से बढ़कर 81.57त्न पर पहुंच गई है, जिससे राजस्व संग्रहण ?378 करोड़ बढ़ा। कुल मिलाकर, स्मार्ट मीटरिंग प्रणाली से सरकार को इन दो संभागों से ?692 करोड़ का अतिरिक्त राजस्व प्राप्त हुआ है।

स्मार्ट मीटर लगाने की वर्तमान स्थिति

संभागवार प्रगति रिपोर्ट के अनुसार, अब तक गैर-कृषि उपभोक्ताओं के यहां मीटर लगाने का काम तेजी से चल रहा है। जबलपुर संभाग में कुल 26.55 लाख उपभोक्ताओं में से लगभग 50 प्रतिशत (7.86 लाख) मीटर लगाए जा चुके हैं। जबलपुर जिले में सबसे अधिक 45 प्रतिशत और नरसिंहपुर में 57त्न काम पूरा हो चुका है। जबकि, भोपाल संभाग में कुल 16.84 लाख उपभोक्ताओं में से 30प्रतिशत (5.09 लाख) स्मार्ट मीटर लगाए गए हैं।

शिकायतों का लगा अंबार

जहां एक ओर राजस्व बढ़ा है, वहीं, दूसरी ओर उपभोक्ताओं की शिकायतों में भी इजाफा हुआ है। मुख्य रूप से फास्ट रीडिंग और बिल ज्यादा आने की शिकायतें विभाग को मिलीं हुई हैं। जबलपुर में वर्ष 2023 से अब तक कुल 55,822 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से विभाग ने 55,736 का निराकरण कर दिया है, जबकि 86 शिकायतें अब भी लंबित हैं। भोपाल संभाग में अब तक 2,102 शिकायतें दर्ज की गई हैं, जिनमें से 2,062 का निपटारा किया जा चुका है और 40 लंबित हैं। सरकार ने स्पष्ट किया है कि ये मीटर केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण की 2019 की अधिसूचना और मध्यप्रदेश विद्युत प्रदाय संहिता-2021 के दिशा-निर्देशों के तहत लगाए जा रहे हैं। इसका मुख्य उद्देश्य पारदर्शी बिलिंग, सटीक ऊर्जा लेखांकन और मानवीय हस्तक्षेप को कम करना है।

एमपी ट्रांसको में 'जीरो एक्सीडेंट पॉलिसी' बनी कार्य संस्कृति

भोपाल। मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी ने 'जीरो एक्सीडेंट पॉलिसी' को अपनी कार्य संस्कृति का अभिन्न अंग बनाया है। सभी सबस्टेशनों एवं ट्रांसमिशन लाइनों पर मेंटेनेंस कार्य से पूर्व सख्त सुरक्षा प्रोटोकॉल का अनिवार्य पालन सुनिश्चित किये जाने की पहल की गई है। मेंटेनेंस कार्य प्रारंभ करने से पहले संबंधित तकनीकी स्टाफ द्वारा सिंगल लाइन डायग्राम तैयार कर संभावित जोखिमों का आकलन किया जाता है तथा टीम को आवश्यक तकनीकी जानकारी प्रदान की जाती है। साथ ही 'पेप टॉक' के माध्यम से सुरक्षा मानकों, लाइव उपकरणों की स्थिति, कार्य क्षेत्र की संवेदनशीलता और आवश्यक सावधानियों पर विस्तार से चर्चा की जाती है, जिससे प्रत्येक कर्मचारी पूर्ण सजगता और आत्मविश्वास के साथ कार्य कर सके।

कार्य के दौरान मोबाइल का उपयोग वर्जित

कार्य के दौरान एकाग्रता बनाए रखने के उद्देश्य से मोबाइल फोन कंट्रोल रूम शिफ्ट इंचार्ज अथवा संबंधित सुपरवाइजर के पास सुरक्षित रूप से जमा कराए जाते हैं। कार्य प्रारंभ से पूर्व संबंधित क्षेत्र को विधिवत अर्थिंग से जोड़ने तथा सुरक्षा मानकों की दोहरी पुष्टि की व्यवस्था भी अनिवार्य रूप से की जा रही है। इसके अतिरिक्त, मेंटेनेंस टीम के लीडर को रोटेशन मे बदलने की अभिनव पहल से कर्मचारियों में नेतृत्व क्षमता, उत्तरदायित्व बोध एवं टीम भावना का विकास हो रहा है। कंपनी का यह प्रयास न केवल दुर्घटनाओं की संभावना को न्यूनतम करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि सुरक्षित और जिम्मेदार कार्य संस्कृति को भी सुदृढ़ कर रहा है।

दिल्ली की तर्ज पर भोपाल का सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट

59 कार्यालयों ने मांगी 1 लाख वर्ग मीटर जगह, चार माह के अंदर देना है डीपीआर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भोपाल में बनने वाले नए सेंट्रल विस्टा/स्टेट कैपिटल कॉम्प्लेक्स प्रोजेक्ट ने रफ्तार पकड़ ली है। सामान्य प्रशासन विभाग ने एक उच्च स्तरीय बैठक में इस योजना के प्राथमिक स्वरूप पर सहमति दे दी है। बैठक में हाउसिंग बोर्ड को 4 महीने यानी, 30 जून के पहले डीपीआर यानी, डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट फाइनल करने को कहा है। बोर्ड ने सेंट्रल विस्टा की डिजाइन और डीपीआर के लिए टेंडर के माध्यम से आर्किटेक्ट भी फाइनल कर दिया है। वल्लभ भवन, हमीदिया हॉस्पिटल, जेएनयू दिल्ली जैसे संस्थान डिजाइन करने वाली फर्म मेसर्स सीपी कुकरेजा सेंट्रल विस्टा बना रही है। प्रस्तावित नया प्रोजेक्ट लगभग 1 हजार करोड़ रुपए का है।

सामान्य प्रशासन विभाग ने सभी सरकारी विभागों को पत्र लिखकर उनकी ऑफिस की जरूरतों और स्थानांतरण को लेकर जानकारी मांगी थी। अभी तक की जानकारी के मुताबिक, सामान्य प्रशासन विभाग को 58 विभाग के 84 कार्यालयों से पत्र प्राप्त हुए हैं। 33 विभाग के 59 कार्यालय सेंट्रल विस्टा में स्थानांतरण के इच्छुक हैं। इन विभागों ने कुल 1 लाख तीन हजार वर्ग मीटर जगह मांगी है। बाकी 6 कार्यालय रेनोवेशन और प्रस्तावित भवन के कारण सहमत नहीं है। 19 अन्य के अपने स्वतंत्र और पर्याप्त ऑफिस हैं। हालांकि, जिन भी ऑफिस में रेनोवेशन या निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ है, उन सबको रोका जा सकता है। किसी को भी नई जमीन नहीं आवंटित की जाएगी।

वर्तमान से दोगुना होगा ऑफिस स्पेस

पुराने हो चुके सतपुड़ा और विंध्याचल भवन की जगह नया सेंट्रल विस्टा बनेगा। पुराने दोनों भवनों का निर्मित क्षेत्रफल 76 हजार 500 वर्ग मीटर है। नए सेंट्रल विस्टा में लगभग दोगुना यानी 1.60 लाख वर्ग मीटर निर्मित क्षेत्रफल होगा। नई योजना में वल्लभ भवन की वास्तुकला को ध्यान मं रखते हुए 12 नए टॉवर बनाने की योजना है। नए प्रस्तावित डिजाइन में सभी 12 टॉवर की छत को जोड़कर एक परगोला बनाने का प्रस्ताव है। इससे पूरे परिसर का ताप कम रहेगा और सोलर बिजली भी उत्पन्न की जाएगी। हालांकि, साधिकार समिति ने इस परगोला को बनाने में आने वाले खर्च का डिटेल मांगा है।

अगले 50 वर्षों की आवश्यकतानुसार होगी पार्किंग की व्यवस्था

प्रस्तावित नए प्रोजेक्ट में पार्किंग को लेकर विशेष ध्यान दिया है। नए टॉवरों में अगले 50 वर्ष की आवश्कतानुसार पार्किंग बनाया जाएगा। वल्लभ भवन में अधिकारियों के लिए निर्धारित पार्किंग को तोड़कर टॉवर 1 व 2 का काम शुरू होना है। नए सेंट्रल विस्टा में ग्रीन एरिया को 4 गुना ज्यादा बढ़ाया गया है। नए प्लान में ग्रीन एरिया 5.84 हेक्टेयर से बढ़ाकर 22.46 हेक्टेयर किया जा रहा है। प्रस्तावित प्रोजक्ट में आसपास के मेट्रो स्टेशन से कवर्ड पाथ-वे, हॉकर्स कॉर्नर और टॉयलेट भी बनाए जाएंगे। दूर से आने वाले आम लोगों के लिए पब्लिक ट्रांसपोर्ट का भी प्रावधान किया जाएगा। मौजूदा सड़कों का चौड़ीकरण व सौन्दर्यीकरण कर इन पर फुटपाथ बनेगा।

मप्र में शुरू होंगे मंदिर प्रबंधन के पीजी और डिप्लोमा कोर्स

इंदौर। मध्य प्रदेश में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने और इसमें रोजगार सृजन के लिए मंदिर प्रबंधन में स्नातकोत्तर और डिप्लोमा कोर्स शुरू किए जाएंगे। यह जानकारी मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने रविवार को इंदौर में पत्रकारों को दी। उन्होंने कहा कि मंदिर प्रबंधन से जुड़े कोर्स विश्वविद्यालयों के माध्यम से संचालित किए जाएंगे। ये स्नातकोत्तर और डिप्लोमा कोर्स दो वर्षीय होंगे। कोर्स में सैद्धांतिक के साथ-साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया जाएगा, ताकि मंदिर प्रबंधन को रोजगारपरक बनाया जा सके। इसके साथ ही प्रदेश के सभी प्रमुख धार्मिक स्थलों का कायाकल्प किया जाएगा। काशी विश्वनाथ धाम और महाकाल लोक की तर्ज पर प्रदेश में 13 लोक बनाए जाएंगे। ओंकारेश्वर, चित्रकूट सहित कई धार्मिक स्थलों का विकास कार्य चल रहा है।

उज्जैन धार्मिक पर्यटन का केंद्र बन गया- सीएम

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2022 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की यात्रा के बाद उज्जैन धार्मिक पर्यटन का केंद्र बन गया है। अब मध्य प्रदेश में महाकाल लोक की तर्ज पर ओंकारेश्वर, मैहर की माताजी, राजाराम लोक ओरछा और सलकनपुर जैसे धार्मिक स्थलों को भी विकसित किया जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि मंदिर हमेशा से आस्था और श्रद्धा के केंद्र रहे हैं, लेकिन उनसे जुड़े वित्तीय और प्रबंधन पक्ष भी रोजगार सृजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं, इसीलिए मंदिर प्रबंधन के कोर्स शुरू करके मंदिरों की वित्तीय व्यवस्था, प्रशासन, सुरक्षा, धार्मिक अनुष्ठान, कला और ललित कला को प्रोत्साहन दिया जाएगा।

मेट्रो एंकर एक साथ उगा रहे जमीन के अंदर, जमीन पर और ऊपर लगने वाली फसलें

भिंड के किसान ने की मल्टीलेयर फार्मिंग...सालाना इनकम 6 लाख

भिंड, दोपहर मेट्रो

बदलते दौर में जहां परंपरागत खेती बढ़ती लागत और घटते मुनाफे के कारण किसानों के लिए चुनौती बनती जा रही है, वहीं भिंड जिले के एक प्रगतिशील किसान ने मल्टीलेयर फार्मिंग कर अपनी किस्मत बदल दी है। भिंड शहर से सटे ग्राम दबोहा निवासी किसान और सेवानिवृत्त प्राचार्य रामसनेही शर्मा ने परंपरागत खेती को छोड़कर मल्टीलेयर फार्मिंग (बहुस्तरीय खेती) अपनाकर सालाना करीब 6 लाख रुपए की आमदनी हासिल कर ली है। उनकी सफलता न सिर्फ परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत कर रही है, बल्कि आसपास के किसानों के लिए भी प्रेरणा बन गई है। किसान रामसनेही बताते हैं कि वे भी पहले पूर्ण रूप से गेहूं, चना और सरसों जैसी पारंपरिक फसलों की खेती करते थे। मौसम की मार, कीट प्रकोप और बाजार में सही दाम न मिलने के कारण लागत निकलना भी मुश्किल हो जाता था। कई बार घाटा उठाना पड़ता था। किसान रामसनेही ने कहा कि मैं वर्ष 1980 में जब नौकरी के दौरान खरगोन जिले के मंडलेश्वर में अपनी सेवाएं दे रहा था। उस दौरान एक पाटीदार परिवार को मल्टीलेयर फार्मिंग करते हुए देखा था। नवंबर 2017 सेवानिवृत्त हुआ तो मैंने अपनी खेती पर पूरा ध्यान देना शुरू कर दिया, लेकिन परंपरागत खेती में अधिक मुनाफा नहीं हो पा रहा था। ऐसे में मल्टीलेयर फार्मिंग करने का विचार किया। मैंने उद्यानिकी विभाग और आत्मा विभाग के अधिकारियों से संपर्क किया। मुझे वर्ष 2019 में विभाग तरफ से प्रशिक्षण के लिए मथुरा, हरिद्वार, शिवपुरी, गुना, मुरैना सहित अन्य जगह भेजा गया। प्रशिक्षण के बाद मैंने मल्टीलेयर फार्मिंग शुरू की।

टिकाऊ कृषि तकनीक है मल्टीलेयर फार्मिंग

भिंड उद्यानिकी विभाग के सहायक संचालक गंभीर सिंह तोमर ने बताया कि मल्टीलेयर फार्मिंग एक वैज्ञानिक और टिकाऊ कृषि तकनीक है। इसमें एक ही समय और स्थान पर विभिन्न तरफ की फसलों उगाई जा सकती हैं। रामसनेही शर्मा द्वारा खेती के क्षेत्र में भिंड जिले में बड़े स्तर पर इस तकनीक का उपयोग किया जा रहा है। विभाग द्वारा कई किसानों को उनके पास प्रशिक्षण के लिए समय-समय पर भेजा जाता है।

दो एकड़ में कर रहे हैं फार्मिंग

किसान रामसनेही अपने बेटे धर्मेंद्र शर्मा के साथ मिलकर अपनी दो एकड़ (4 बीघा) जमीन पर मल्टीलेयर फार्मिंग बीते पांच-छह साल से करते आ रहे हैं। वे दो एकड़ जमीन पर केला, कच्ची हल्दी, आम, सफेद चंदन, सेव, सीताफल, चीकू, अमरूद, एप्पल बेर, जामुन, बांस, कटहल सहित अन्य फसलों उगा रहे हैं। रामसनेही शर्मा बताते हैं कि सबसे पहले उन्होंने मल्टीलेयर फार्मिंग की शुरूआत कच्ची हल्दी के साथ की। उसके बाद हल्दी की फसल के बीच-बीच में केले के पौधे लगाना शुरू कर दिए। वर्तमान में चार एकड़ जमीन पर 755 केले के पौधे लगे हुए हैं। इन पर एक साल में दो बार केले के फल निकलते हैं।

भारत के लिए अवसर

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को सुप्रीम कोर्ट से मिले झटके के बाद वैश्विक व्यापार नीति में एक नया मोड़ सामने आया है। अदालत द्वारा भारत सहित कई देशों पर अलग-अलग टैरिफ लगाने की योजना खारिज किए जाने के तुरंत बाद ट्रंप ने सभी देशों से अमेरिका आने वाले माल पर 15 प्रतिशत की समान ड्यूटी लगाने का ऐलान कर दिया। भले ही इसे तत्काल प्रभाव से लागू बताया गया हो, लेकिन इसकी समयसीमा को लेकर स्थिति पूरी तरह स्पष्ट नहीं है। भारत सरकार ने भी इस पूरे घटनाक्रम पर सतर्क रुख अपनाते हुए इसके असर का अध्ययन करने की बात कही है। यह फैसला भारत के लिए आंशिक राहत लेकर आया है। बीते महीनों में भारतीय निर्यात पर कुल 25 प्रतिशत शुल्क लागू था, जो एक समय 50 प्रतिशत तक पहुंच गया था। रूसी तेल खरीद को लेकर लगी पेनाल्टी हटने के बाद भी 25 प्रतिशत जवाबी टैरिफ बना रहा, जिससे भारतीय निर्यातक दबाव मेंथे। अब 15 प्रतिशत की नई दर निश्चित रूप से राहत देने वाली है, हालांकि डब्ल्यूटीओ के नियमों के तहत मोस्ट फेवर्ड नेशन ड्यूटी इसके साथ जुड़ी रहेगी। यह संकेत देता है कि राहत सीमित है, लेकिन पूरी तरह नगण्य भी नहीं। इसके बावजूद कुछ अहम क्षेत्रों पर सख्ती जारी है। स्टील, कॉपर और एल्युमीनियम जैसे रणनीतिक उत्पादों पर अमेरिका ने ऊंचे टैरिफ बनाए रखे हैं। ऑटो कंपोनेंट्स पर भी अतिरिक्त शुल्क कायम है। इससे स्पष्ट होता है कि अमेरिका अपनी घरेलू उद्योगों की सुरक्षा को लेकर किसी भी तरह का समझौता करने के मूड में नहीं है। ऐसे में भारतीय उद्योगों को अपनी प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ाने और नए बाजार तलाशने की जरूरत और अधिक महसूस होती है। राजनीतिक दृष्टि से यह घटनाक्रम भारत-अमेरिका संबंधों की जटिलता को भी उजागर करता है। एक ओर दोनों देश वर्ष 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 500 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं, वहीं दूसरी ओर टैरिफ जैसे फैसले व्यापारिक भरोसे को बार-बार झटका देते हैं। प्रस्तावित अंतरिम व्यापार समझौता अभी औपचारिक रूप से लागू नहीं हुआ है और आने वाले दिनों में इस पर निर्णायक बातचीत होनी है। ऐसे में भारत के पास अपने हितों को मजबूती से रखने का अवसर है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले से ट्रंप पर घरेलू दबाव बढ़ा है, जिसका असर आगे की नीति में दिख सकता है। यह स्थिति भारत के लिए कूटनीतिक और आर्थिक दोनों स्तरों पर अवसर बन सकती है। जरूरत इस बात की है कि भारत सतर्कता, धैर्य और दूरदृष्टि के साथ वार्ता की मेज पर उतरे। अगर संतुलित रणनीति अपनाई गई, तो यह चुनौती भविष्य के लिए एक ठोस अवसर में बदली जा सकती है।

भारत मंडपम में कांग्रेसियों का नंगा नाच विरोध, लेकिन कैसे भूल गए अपने फर्जीवाड़े

आलोक मेहता
वरिष्ठ पत्रकार

भारत मंडपम में राहुल गांधी के युवा कॉंग्रेसियों के नंगे नाच से दुखी मुंबई के एक प्रभावशाली मित्र ने फोन करके मुझसे जानना चाहा कि 'कॉंग्रेस को मोदी सरकार से विरोध है या अमेरिका से समझौते से घोर नाराजगी या एआई विश्व सम्मेलन में गलगोटिया यूनिवर्सिटी के चीनी मॉडल के फर्जीवाड़े का गुस्सा ?' मित्र के विभिन्न दलों के कई प्रमुख नेताओं और औद्योगिक समुदाय से पुराने संपर्क संबंध रहे हैं। इसलिए मैंने उत्तर दिया 'आप मुझसे अधिक कांग्रेस के अमेरिकी संबंधों और कांग्रेसियों के अपने फर्जीवाड़ों को समझते हैं। सत्ता के लिए मोदीजी और भाजपा का विरोध बहाना है असली समस्या अपने पुराने कारनामों पर कार्रवाई का डर है। यही नहीं विश्वविद्यालयों के फर्जीवाड़ों में उनका रिकार्ड तो भयावह है।'

इस संदर्भ में मुझे ध्यान आया छत्तीसगढ़ राज्य के गठन के बाद तत्कालीन मुख्यमंत्री अजित जोगी के कार्यकाल में वर्ष 2002 में एक नया कानून विश्वविद्यालयों की मान्यता के लिए लाया गया। इसके तहत राज्य सरकार ने मात्र अधिसूचना के आधार पर दर्जनों निजी विश्वविद्यालयों को मान्यता दे दी।बिना पर्याप्त भूमि, फैकल्टी, प्रयोगशाला और शैक्षणिक ढांचे के 100 से अधिक विश्वविद्यालय अस्तित्व में आ गए। यह भारतीय उच्च शिक्षा इतिहास का सबसे विवादास्पद अध्याय माना गया। हमने हिन्दी आउट्लुक में अपने ब्युरो प्रमुख राजेश सिरोठिया की एक खोजपूर्ण प्रामाणिक रिपोर्ट प्रकाशित की। नए कानूनी प्रावधानों के तहत राज्य सरकार सीधे निजी विश्वविद्यालयों को मान्यता दे सकती थी बिना यह सुनिश्चित किये कि वे राष्ट्रीय उच्च शिक्षा मानकों, खासकर यूजीसी नियमों का पालन करते हैं या नहीं। एक वर्ष के भीतर 100 से अधिक यूनिवर्सिटीज़ की मान्यता दे दी गई – जिनमें कई संस्थाओं का वास्तविक दर्जा, सुविधाएँ, निवेश, या शैक्षणिक क्षमता स्पष्ट रूप से नहीं थी। पराकाष्ठा यह थी कि एक मकान के बेसमेंट के ऑफिस को यूनिवर्सिटी की मान्यता दे दी गई थी। क्या यह बिना भ्रष्टाचार के संभव था ? हमारी रिपोर्ट पर हंगामा स्वाभाविक था। तब सत्ता के अहंकारी जोगी के नजदीकी लोग मेरे दफ्तर में आकर धमकी देने लगे। मुझे गार्ड्स बुलाकर उन्हें बाहर भिजवाना पड़ा।

फिर यू जी सी के पूर्व अध्यक्ष प्रो. यशपाल ने इन मान्यताओं पर जनहित याचिका दाखिल की, जिसमें यह तर्क दिया गया कि सिर्फ सरकारी अधिनियम के तहत बिना यू जी सी की विस्तृत जांच के मान्यता देना संविधान और उच्च शिक्षा के मानकों के उल्लंघन के अंतर्गत आता है। याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने 2005 में इन विश्वविद्यालयों की मान्यता रद्द कर दी। न्यायालय ने स्पष्ट कहा कि विश्वविद्यालय स्थापित करना केवल राज्य सरकार का प्रशासनिक निर्णय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय शैक्षणिक हित का विषय है। सुप्रीम कोर्ट ने छत्तीसगढ़ के निजी विश्वविद्यालयों को स्थापित करने वाले कानून को रद्द कर दिया और कई विश्वविद्यालयों की मान्यता को शून्य घोषित कर दिया। अदालत ने स्पष्ट कर दिया कि यू जी सी की प्रक्रिया को दरकिनार करना कानून के तहत असंगत है और इससे छात्रों के भविष्य पर गहरा असर पड़ेगा। यह फैसला केवल छत्तीसगढ़ तक सीमित नहीं रहा, बल्कि पूरे देश के लिए चेतावनी बना।सुप्रीम कोर्ट का छत्तीसगढ़ के मामलों में हस्तक्षेप ने यह संकेत दिया कि राज्य नियमों की मर्यादा में रहकर निर्णय नहीं ले सकते, बल्कि राष्ट्रीय नियामक मानकों का पालन ज़रूरी है। इस पूरे विवाद से स्पष्ट हुआ कि 'मान्यता मिलना पर्याप्त नहीं है', बल्कि इसकी मान्यता के बाद निरंतर निगरानी और पारदर्शिता भी उतनी ही जरूरी है।राज्य सरकारों द्वारा मान्यता प्रदान करना लाभकारी तो हो सकता है, लेकिन नियमन और निगरानी के मजबूत तंत्र का अभाव भ्रष्टाचार, छात्रों के हितों का क्षय, और मानी हुई शिक्षा गुणवत्ता को खतरे में डाल देता है।गैर-संगठित, ग़ैर-पारदर्शी और ग़लत प्रक्रियाओं से संचालित विश्वविद्यालयों से केवल तत्काल राजस्व तो

उत्पन्न हो सकता है, लेकिन दीर्घकालिक सामाजिक और शैक्षिक क्षति के खतरों को नजरअंदाज़ नहीं किया जा सकता।निजी विश्वविद्यालयों के मामले में उत्तरदायित्व, जवाबदेही और उच्च शिक्षा के सर्वोच्च मानकों का पालन अब केवल एक आदर्श नहीं, बल्कि एक आवश्यक आवश्यकता बन चुका है। समस्या केवल किसी एक विश्वविद्यालय या सरकार की नहीं, बल्कि पूरे ढाँचे की है। यदि शिक्षा को राष्ट्र निर्माण का आधार माना जाता है, तो निजी विश्वविद्यालयों के लिए सख्त, पारदर्शी और निष्पक्ष नियमन अनिवार्य है। अन्यथा, शिक्षा का यह बाज़ार लोकतंत्र और विकास–दोनों के लिए जोखिम बनता जाएगा।

जहाँ तक गलगोटिया यूनिवर्सिटी की बात है उसने एक स्थानीय शैक्षणिक संस्था के रूप में शुरुआत की और 2011 में यू जी सी की मान्यता के साथ निजी विश्वविद्यालय का दर्जा पाया। राहुल गांधी को याद न हो लेकिन उनके ' महा ज्ञानी ' सलाहकारों को यह कैसे ध्यान नहीं है कि तब केंद्र में उनकी सरकार थी । गलगोटिया यूनिवर्सिटी के खिलाफ शुरुआती विवाद 2014 में सामने आए, जब उस समय विश्वविद्यालय की पैरेंट संस्था पर आरोप लगे कि उसने ?100-120 करोड़ से अधिक की उधार राशि समय पर लौटाई नहीं, और उसके कागज़ों में फर्जी दस्तावेज़ों का उपयोग किया गया। यही नहीं परिवार के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया गया। दोनों को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में रखा गया। बाद में मामला आर्बिट्रेशन/न्यायपालिका की प्रक्रिया में बदल गया और पुनर्भुगतान के निर्देश जारी किए गए, लेकिन ब्याज और विवाद न्यायालय में लंबित रहे। यह विवाद यह संकेत देता है कि यूनिवर्सिटी की स्थापना और वित्तीय संरचना पर प्रारंभिक समय से ही वित्तीय चुनौतियों और आरोप रहे। पिछले वर्षों में यूनिवर्सिटी से जुड़े कुछ छात्रों और पूर्व छात्रों के अनुभव भी रिपोर्ट हुए हैं, जैसे कि शैक्षणिक शुल्क, परीक्षा फीस, प्रबंधन व्यवहार, और संस्थागत अनुभव से जुड़ी शिकायतें – जिनमें छात्रों ने प्रायः व्यवसाय-संस्था-शिक्षा मॉडल को चुनौती के रूप में बताया। यह दर्शाता है कि प्रशासनिक और छात्र-संबंधी मुद्दे भी समय-समय पर सामने आते रहे हैं। अब चीनी मॉडल को अपना दिखाने पर उसने अपनी सफाई दी है। विश्वविद्यालय ने सफाई दी कि रोबोट शैक्षणिक प्रयोग के लिए खरीदा गया था, लेकिन प्रस्तुति में चूक हुई।

असल में उच्च शिक्षा का क्षेत्र पिछले ढाई दशकों में अभूतपूर्व परिवर्तन से गुज़रा है। सरकारी विश्वविद्यालयों की सीमित संख्या, बढ़ती आबादी, और शिक्षा के बाज़ारीकरण ने निजी विश्वविद्यालयों के लिए रास्ते खोले। लेकिन इस विस्तार के साथ नियमन, पारदर्शिता और जवाबदेही के प्रश्न भी उतनी ही तेज़ी से उठे।, निजी विश्वविद्यालयों को राजनीतिक और प्रशासनिक समर्थन मिला। भूमि आवंटन, त्वरित स्वीकृति और निवेश-मैत्री वातावरण ने गलगोटिया जैसे समूहों को तेज़ी से विस्तार का अवसर दिया।देश की शीर्ष उच्च शिक्षा नियामक संस्था है।कांग्रेस शासित राज्यों से लेकर अन्य दलों के शासन तक, निजी विश्वविद्यालयों को अक्सर सत्ता का संरक्षण मिला। एक बार मान्यता मिल जाने के बाद डी-रिकॉग्निशन (मान्यता रद्द) की प्रक्रिया लगभग निष्क्रिय दिखती है।छात्रों के भविष्य पर असर डालने वाले संस्थानों पर कठोर कार्रवाई राजनीतिक रूप से असुविधाजनक मानी जाती रही है।

हाल के वर्षों में यू जी सी ने दर्जनों निजी विश्वविद्यालयों को डिफॉल्टर घोषित किया, फर्जी विश्वविद्यालयों की सूची जारी की और सार्वजनिक चेतावनियाँ दीं। लेकिन आलोचक कहते हैं कि यू जी सी की कार्रवाई अक्सर नोटिस और चेतावनी तक सीमित रहती है। मान्यता रद्द करने की प्रक्रिया लंबी और राजनीतिक दबावों से प्रभावित होती है। यू जी सी को समाप्त करने की बहस भी शुरू हो गई। मोदी सरकार के दौर में उच्च शिक्षा सुधारों के तहत नए ढाँचों की चर्चा हुई। यह बहस इसी पृष्ठभूमि से जुड़ी है कि क्या मौजूदा संस्थाएँ शिक्षा की गुणवत्ता सुनिश्चित कर पा रही हैं 72023 में न्यायालय में पेश एक PIL में यह आरोप लगाया गया कि कई निजी विश्वविद्यालय प्रमाणपत्रों की बिक्री, मार्क-शीट जारी करने में मनमानी और रिकॉर्ड बनाए रखने में अव्यवस्था की जा रही है, मगर मामले पर जांच और सी बी आई स्तर तक की अपील अस्वीकार कर दी गई। अर्थात् जांच और दंडात्मक कार्रवाई का अभाव, छात्रों के हितों की सुरक्षा और शिक्षा की गुणवत्ता के लिए बड़ा जोखिम है।यूजीसी ने 2025 में मध्य प्रदेश की 10 निजी यूनिवर्सिटीज़ को डिफॉल्टर घोषित किया, जो पब्लिक सेल्फ-डिस्क्लोजर नियमन का पालन नहीं कर रहे थे 7 राजस्थान में दो निजी यूनिवर्सिटी मालिकों सहित 3 लोग गिरफ्तार किए गए, जब फर्जी डिग्री और पेपर लीक मामले का पर्दाफाश हुआ – जिसमें उच्च अधिकारियों की भी भूमिका संदेह के घेरे में आई। हाल ही के दिल्ली में हुए आतंकवादी हमले के मामलों में अल फलाह यूनिवर्सिटी के एक संस्थापक को पहले ही धोखाधड़ी के अपराध में सजा मिल चुकी थी और अब तो अनेक गंभीरतम भारत विरोधी मामले अदालत पहुंचे हैं, जो चिंताजनक संकेत है। इस प्रकार राज्य-स्तर पर नियमन की कमी और भ्रष्टाचार व अस्तित्वहीन मान्यता से जुड़े मामलों का प्रभाव छात्रों और शिक्षा प्रणाली दोनों पर गहरा पड़ा है।

–यह लेखक के अपने विचार हैं।

कुत्तों को संसार से शून्य करने की मंशा ठीक नहीं, आत्मरक्षा में हो सकती है गलती

हृदयनारायण दीक्षित
पूर्व अध्यक्ष, उप्र विधानसभा

प्रकृति में जैव विविधता है। पशुओं के प्रति लगाव का इतिहास पुराना है। मनुष्य और पशुओं के मध्य आत्मीयता का भाव वैदिक साहित्य से लेकर आज तक प्रत्यक्ष दिखाई पड़ता है। कुत्ते हमारे स्वाभाविक परिजन हैं। उनकी सूंघने व सुनने की क्षमता विलक्षण है। संप्रति आधुनिक सभ्यों का एक वर्ग कुत्तों से चिढ़ा हुआ है। कोर्ट-कचहरी तक कुत्तों पर बहस है। कुत्तों को संसार से शून्य करना चाहता है। यह बात सही है कि जब-तब कुत्ते आक्रामक भी हो जाते हैं लेकिन वे स्वयं अपनी ओर से कभी आक्रामक नहीं होते। उनकी आंखों में स्वाभाविक आत्मीय लगाव देखा जा सकता है। वे अपने लिए कोई संपदा नहीं चाहते। वे इस विराट संसार में अपने लिए छोटी-सी जगह चाहते हैं। दौड़ने पर वे वह जगह छोड़कर दूसरी जगह बैठ जाते हैं। पालतू कुत्तों की बात अलग है। बाकी सब भूखे-प्यासे मरते हैं।

वैदिक साहित्य में कहा गया है, 'मनुष्य और पशु दोनों में एक प्राण शक्ति है।' उनमें आत्मीयता है। बाघ आदि जानवर कभी पालतू नहीं रहे। ऋग्वेद के शिव और रुद्र पशुपति भी हैं। वैदिक इंडेक्स में लिखा है कि, 'ऋग्वेद में प्राणियों को तीन श्रेणियां में बांटा गया है, पहली श्रेणी वायव्य है। इस श्रेणी में पक्षी आते हैं। दूसरी श्रेणी अरण्य है। अरण्य का अर्थ है वन। इस श्रेणी में जंगल में रहने वाले पशु आते हैं और ग्राम्य-गांव में रहने वाले पालतू पशु हैं। वैदिक काल में पशुओं के प्रति प्रेम बहुत सघन रूप में व्यक्त हुआ है। अग्नि ऋग्वेद में बड़े देवता हैं। ऋग्वेद के ऋषि के ध्यान में अग्नि की पशु जैसी चंचलता की ओर गया है। ऋग्वेद (1.65.5) में कहते हैं, 'अग्नि पशु जैसे चंचल हैं।' कभी-कभी घरेलू पशु खो जाते हैं। खोजने पर मिल जाते हैं। पशु के खो जाने और बाद में उसके मिल जाने पर प्रसन्नता होती है। ऋग्वेद में कहते हैं, 'पूषन देव हमें वैसे ही मिलते हैं जैसे खोए हुए पशु खोजने पर मिल जाते हैं।' अनेक पशु इधर-उधर घूमा करते हैं। ऋषि ऐसे पशुओं की तुलना अग्नि देवता से करते हैं, 'अग्नि वैसे ही फैल जाता है, जैसे रक्षक के बिना पशु इधर-उधर भागता है।'

पशुओं से अपने कुल या वंश का सम्बंध जोड़ना सर्वविदित है। सभी पशु प्रिय हैं लेकिन कुत्ते प्राचीन भारतीय इतिहास से लेकर आधुनिक काल तक अपनी विशेष पहचान बनाए हुए हैं। भारतीय अध्यात्म परंपरा में स्वर्ग प्राप्ति को महत्वपूर्ण बताया गया है। महाभारत के रचनाकाल में स्वर्ग अति प्रतिष्ठित धारणा थी। महाभारत की कथा के अनुसार युधिष्ठिर अपने भाई व द्रौपदी के साथ स्वर्ग की यात्रा पर निकले। कथा के अनुसार उनका कुत्ता भी साथ था। स्वर्ग की दुर्गम पहाड़ियों में एक-एक पांडव गिरते गए। मरते गए अंत में द्रौपदी के भी गिर जाने के बाद कुत्ता ही जीवित शेष रहा। महाभारत में सभी पांडवों के देहावसान के कारण बताए गए हैं। युधिष्ठिर के कुत्ते का बच जाना उसकी निष्ठा का पुरस्कार था। कुत्ते अपने पालक के प्रति निष्ठावान रहते हैं। निष्ठा भी साधारण नहीं। अपने पालक के साथ स्वर्ग तक जाने की पात्रता ध्यान देने योग्य है। स्वर्ग प्राप्ति की पात्रता आश्चर्यजनक है।

कुत्तों को मारने का फतवा ठीक नहीं। कुत्तों की आंखों में आंख डालकर झांकना चाहिए। यहां आत्मीयता है। वे निर्दोष हैं। आंखें आत्मरस से लबालब हैं। वे किसी को भी चोट नहीं पहुंचाना चाहते। अपने पालक के प्रति निष्ठा दुर्लभ है उनमें। संसार में बड़े अनूठे जीव हैं। संसार जैव विविधता से भरा-पूरा है। ऋग्वेद के एक प्रसंग में कुत्ते देवताओं की गाय चुरा लेते हैं। गायों की चोरी की घटना से देव व्यथित थे। ऋग्वेद की कथा के अनुसार देवों की कुतिया शर्मा ने चोरी गई गाय खोज निकालीं। गाय चोरी करने वालों ने शर्मा से कहा कि हम तुम यह गोधन परस्पर बांट लें। शर्मा ने यह प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया। उसकी अपनी वंश परंपरा में निष्ठा बहुत महत्वपूर्ण है। उसने कहा कि इन्द्र आ रहे हैं और अपनी गाय वापस ले जाएंगे। आचार्य सायण ने इस मंत्र सूक्त के आधार पर शर्मा को कुतिया होने के बावजूद देवता का सम्मान दिया है। शर्मा वैदिक देवता हैं।

गीता प्रबोधन में श्रीकृष्ण ने अर्जुन से समूचे ब्रह्माण्ड में भिन्न-भिन्न प्रतिष्ठित प्रतीकों के उल्लेख किए हैं। कृष्ण ने अर्जुन को बताया है कि, 'शस्त्रधारियों में राम मैं हूं।' राम यहां भगवत्ता के प्रतीक हैं। ऐसे ही उन्होंने गाय के बारे में कहा है कि, 'कामधेनु गाय मैं हूं। हाथियों में ऐरावत मैं हूं।' गाय सम्माननीय प्रतीक है। हाथी व सांप से लेकर सभी दिव्य प्रतीकों का उल्लेख गीता में हुआ है। बंदर को मनुष्य का पूर्वज कहा जाता है। यह सिद्धांत चार्ल्स डार्विन के विचार से लिया गया है। जहां डार्विन बंदर को पूर्वज बताते हुए प्रकृति के विकास का संकेत देते हैं। भारतीय परंपरा में हनुमान ज्ञान और बुद्धि के देवता हैं। हनुमान बुद्धि, बल और ज्ञान के देवता हैं। वे भक्ति और समर्पण का शिखर हैं। पशु ऋग्वेद के रचनाकाल के पहले से ही सम्माननीय हैं। ऋग्वेद के एक मंत्र (9.72.9) में ऋषि स्तुति करता है कि हमारा धन पशुओं से भरा-पूरा हो और स्वर्ण से युक्त हो। यहां सोने की तरह पशुओं को भी धन के रूप में देखा गया है। यूरोप के लोग मनुष्य को सोशल एनिमल मानते थे। मनुष्य उनकी दृष्टि में सामाजिक प्राणी हैं। भारत का मनुष्य अनेक संभावनाओं से भरा-पूरा है। यहां वनस्पतियां आराध्य हैं। पृथ्वी आराध्य हैं। अंतरिक्ष आराध्य हैं। शक्ति का कण-कण उपास्य है। पश्चिम एशिया और यूरोप के देशों में पशुओं के प्रति आदर भाव नहीं रहा। ऋग्वेद में पशु सहित सभी प्राणी सम्माननीय हैं। यूरोप पर भारत के दृष्टिकोण में यह आधारभूत अंतर है।

–यह लेखक के अपने विचार हैं।

फ़ूड ट्रेंड

घरेलू थाली में बाजरा मसाला पूरी का नया ट्रेंड, स्वाद के साथ सेहत का मेल

इन दिनों एक देसी डिश अचानक सोशल मीडिया और किचन दोनों जगह चर्चा में आ गई है। यह है बाजरा मसाला पूरी। आमतौर पर बाजरे की रोटी या पराठा खाया जाता है, लेकिन अब लोग उसी बाजरे से मसालेदार, कुरकुरी पूरी बना रहे हैं। खास बात यह है कि यह रेसिपी न सिर्फ स्वाद में अलग है, बल्कि हेल्दी भी मानी जा रही है। छोटे शहरों से लेकर मेट्रो तक, कई

घरों में इसे सुबह के नाश्ते या वीकेंड ब्रंच में शामिल किया जा रहा है। बाजरा मसाला पूरी अब सिर्फ एक रेसिपी नहीं, बल्कि सर्दियों का नया फूड ट्रेंड बनती दिख रही है।

बाजरा भारतीय खानपान का पुराना हिस्सा रहा है, खासकर उत्तर और मध्य भारत में। आमतौर पर इसे रोटी या खिचड़ी के रूप में खाया जाता है, लेकिन अब कई घरों में इसी बाजरे के आटे में उबले आलू, मसाले और हरी मिर्च मिलाकर पूरी बनाई जा रही है। खाने के शौकीनों का कहना है कि बाजरे की सादी रोटी कई बार सूखी लगती है, जबकि मसाला पूरी में आलू और तिल मिलाने से यह अंदर से नरम और बाहर से कुरकुरी बनती है। यही टेक्सचर लोगों को पसंद आ रहा है। रसोई से जुड़े कंटेंट बनाने वाले कई फूड क्रिएटर्स इस रेसिपी को शेयर कर रहे हैं। वजह साफ है- यह कम सामग्री में बन जाती है और स्वाद अलग मिलता है। इस डिश की सबसे खास बात इसका आटा है। बाजरे के आटे में उबले आलू कद्दूकस करके मिलाए जाते हैं, ताकि आटा बाइंड हो सके। फिर नमक, जीरा, अजवाइन, हल्दी, तिल, हरी मिर्च, अदरक और धनिया डालकर इसे गूंधा जाता है। आटे को थोड़ी देर सेट होने दिया जाता है। इसके बाद छोटे गोले बनाकर हल्के हाथ से मोटी पूरी बेलकर मध्यम आंच पर तली जाती है। बाजरे का आटा ग्लूटेन-फ्री होता है, इसलिए पूरी को ज्यादा पतला नहीं बेलते, वरना टूट सकती है।

स्वाद और सेहत दोनों में आगे: डायट एक्सपर्ट्स बताते हैं कि बाजरा फाइबर, आयरन और मिनरल्स से भरपूर होता है। सर्दियों में इसे खाने से शरीर को गर्मी मिलती है और पाचन भी बेहतर रहता है। जब इसमें तिल और अजवाइन जैसे मसाले मिलते हैं, तो यह और पौष्टिक हो जाता है।

सुविचार

पानी समुद्र में होया आंखों में,
गहराई और राजदोनों में होते हैं।

निशाना

पाप के दाग लगे दामन पर..!

नीतिराज चौरे 'नीति'

अपने कर्मों को झुठलाकर, खुद से नज़र मिला लोगे,
सही गलत में भेद बताकर, खुद तो खुशी मना लोगे।
क्या सफाई दोगे उनको, संसार रचा है जिसने सारा,
अपने झूठे षण्यंत्रों से, उनको भी बहला लोगे।
लोभ सभी को होता है पर, सबकी अपनी सीमा है,
पाप के दाग लगे दामन पर, कुंभ स्नान से मिटा लोगे।
किया जो अब तक भूलो सबकुछ, सद्कर्मों से माता जोड़ों,
अच्छे कर्मों को अपनाकर, जीवन सुखद बना लोगे।।
याद रखेगी पीढ़ी तुमको, जिनको उम्मीदे तुमसे है,
उनकी नज़रों में इज्जत पाकर, सच्चा सुख तुम पा लोगे।।

यूजर्स गाइड

खाते से कटे पैसे सही जगह न पहुंचें तो कुछ स्टेप्स फॉलो करके पा सकते हैं वापस

पेमेंट करने के बाद अकाउंट से पैसा कट जाए लेकिन सामने वाले तक न पहुंचे, तो आपको एक प्रोसेस को फॉलो करना चाहिए। ऐसा करके आप ऑनलाइन फंसे अपने पैसे जल्द वापस पा सकते हैं। इस प्रोसेस में पेमेंट पूरा होने का इंतजार करना, स्टेटस चेक करना, कस्टमर केयर से शिकायत करना और आखिर में RBI के पोर्टल पर शिकायत करना शामिल है। कई बार होता है कि आप कहीं ऑनलाइन पेमेंट करते हैं, तो खाते से पैसा कट जाता है लेकिन सामने वाले को नहीं मिलता। ऐसी समस्या NEFT, RTGS या IMPS के जरिए होने वाली पेमेंट के साथ भी आती है। इसके बाद आपका पैसा बीच रास्ते में कहीं अटक जाता है। आमतौर पर इस तरह की पेमेंट में कटा पैसा 2-3 दिनों में वापस मिल जाता है, हालांकि कई बार ये इंतजार लंबा भी हो सकता है। ऐसे में अगर आप एक प्रोसेस को शुरू से आखिर तक फॉलो करें, तो आपका पैसा आपको बहुत जल्द वापिस मिल सकता है। इस प्रोसेस में इंतजार, पेमेंट के स्टेटस को ट्रैक करना, बैंक से बात करना और आखिर में RBI तक अपनी बात पहुंचाना शामिल है। इसे कड़ी को अगर आप ठीक से फॉलो करें,

तो आपका पैसा ज्यादा समय तक फंसा नहीं रहेगा।

कुछ स्टेप्स फॉलो करें : अगर आपकी कोई ऑनलाइन पेमेंट या फिर NEFT, RTGS, IMPS पेमेंट अटक गई है, तो कम से कम पूरे 24 घंटे इंतजार करें। इससे पहले अगर आप अपने बैंक से भी मदद मांगते हैं, तो आपको इंतजार करने के लिए कहा जाएगा। साथ ही कई बार 24 घंटे के अंदर पेमेंट पूरी हो भी जाती है। ऐसे में कम से कम पेमेंट को 24 घंटे बीत जाने दें। इसके बाद अपनी पेमेंट या ट्रांजेक्शन के स्टेटर को ट्रैक करें। इसके लिए UPI पेमेंट ऐप पर अपनी पेमेंट का स्टेटस देखें या फिर बैंक की ऐप खोलकर UTR और रेफरेंस नंबर के जरिए ट्रांजेक्शन का स्टेटस चेक करें। अगर ट्रांजेक्शन का स्टेटस फेल या पेंडिंग दिखा रहा है, तो कस्टमर केयर से संपर्क करें। उन्हें ट्रांजेक्शन की डिटेल्स देकर टिकट रेज करवाएं। कुछ दिन और इंतजार करने के बाद भी आपके पैसे खाते में वापस न लौटें, तो RBI के शिकायत पोर्ट्ल cms.rbi.org.in पर शिकायत दर्ज करें। इसके बाद आपके पैसे जल्द से जल्द मिल जाएंगे।

वायरल स्टोरी

नेपाल में 60 के प्रिंसिपल ने 28 की शिक्षिका से कर लिया निकाह, बिहार में हो रहा तनाव

मुजफ्फरपुर के औराई थाना क्षेत्र से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है जहां एक 60 वर्षीय निजी स्कूल संचालक (प्रिंसिपल) ने अपने ही स्कूल की 28 वर्षीय शिक्षिका के साथ नेपाल में निकाह कर लिया। इस अंतरधार्मिक विवाह की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद इलाके में सांप्रदायिक तनाव की स्थिति पैदा हो गई है। जिसे देखते हुए भारी पुलिस बल की तैनाती की गई है।

औराई थाना क्षेत्र के रहने वाले राकेश साह (60 वर्ष) जो चार बच्चों के पिता हैं। पर अपनी ही शिक्षिका शाइस्ता परवीन (28 वर्ष) के अपहरण और जबरन धर्म परिवर्तन का आरोप लगा है। शाइस्ता के भाई ने थाने में प्राथमिकी दर्ज कराते हुए बताया कि 18 फरवरी को उसकी बहन स्कूल के लिए निकली थी। लेकिन वापस नहीं लौटी। परिजनों का आरोप है कि राकेश साह ने डरा-धमकाकर शाइस्ता का धर्म परिवर्तन कराया और उसे अपने साथ नेपाल ले गया। इस मामले में राकेश की पत्नी और बेटी को भी आरोपी बनाया गया है।

विवाद बढ़ता देख शिक्षिका शाइस्ता परवीन ने नेपाल से एक वीडियो जारी कर परिजनों के दावों को खारिज कर दिया है। वीडियो में उसने कहा कि मैंने अपनी मर्जी और पूरी समझदारी से राकेश साह के साथ निकाह किया है। मुझ पर कोई दबाव नहीं है। मैं पूरी तरह सुरक्षित हूं और मेरे पति पर लगाए जा रहे आरोप बेबुनियाद हैं, उन्हें परेशान न किया जाए।

सुरक्षा के इंतजाम: मामले की गंभीरता और संभावित सांप्रदायिक मोड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट पर है। पूर्वी एसडीपीओ-1 अलय वत्स के निर्देश पर गांव में पुलिस गश्त बढ़ा दी गई है। प्रभारी थानाध्यक्ष रानोवर परवीन ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस ने नामजद आरोपियों के मोबाइल जब्त कर कॉल डिटेल रिकॉर्ड खंगालना शुरू कर दिया है। पुलिस के अनुसार शुरुआती जांच में दोनों के नेपाल के जनकपुरधाम में होने की पुष्टि हुई है। पुलिस अब साक्ष्यों के आधार पर कानूनी प्रक्रिया को आगे बढ़ा रही है ताकि क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनी रहे।

न्यूज विंडो

अवैध रेत परिवहन पर कार्रवाई दो ट्रैक्टर-ट्रॉली को किया जब्त

नर्मदापुरम। जिले के इटारसी शहर में अवैध रेत के परिवहन के खिलाफ प्रशासन ने सख्त कार्रवाई करते हुए दो रेत से भरी ट्रैक्टर-ट्राली पकड़ी हैं। तहसीलदार, माइनिंग विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम ने यह कार्रवाई औद्योगिक क्षेत्र खेड़ा के पास साईं कृष्ण के समीप की। संयुक्त टीम ने मौके से दोनों ट्राली जब्त कर इटारसी थाने में सुपुर्द कर दिया है। प्रारंभिक जानकारी में एक ट्रैक्टर-ट्राली के पास रॉयल्टी दस्तावेज होने की बात सामने आई है, जिसकी पुलिस द्वारा जांच की जा रही है। प्रशासन का कहना है कि अवैध रेत उत्खनन और परिवहन करने वालों के खिलाफ लगातार अभियान जारी रहेगा और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस कार्रवाई में तहसीलदार सुनीता साहनी, थाना प्रभारी केएन रजक, माइनिंग इंस्पेक्टर पिंकी चौहान सहित राजस्व विभाग के पटवारी मौजूद रहे।

इटारसी-भोपाल मेमू ट्रेन चलाने का संकल्प को अंतिम मंजूरी के लिए भेजा

नर्मदापुरम। इटारसी से भोपाल के बीच रोजाना सफर करने वाले हजारों यात्रियों, छात्र-छात्राओं और कर्मचारियों के लिए अच्छी खबर है। मध्य प्रदेश विधानसभा में इटारसी-भोपाल मेमू ट्रेन शुरू करने का संकल्प सर्वसम्मति से पारित हो गया। विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा के प्रस्ताव को सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ने समर्थन दिया।अब राज्य सरकार इस संकल्प को अंतिम मंजूरी के लिए केंद्र सरकार के रेल मंत्रालय को भेजेगी। इससे न केवल मेमू ट्रेन का सपना साकार होगा, बल्कि भविष्य में इटारसी तक मेट्रो ट्रेन विस्तार का रास्ता भी खुल गया है। नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने सदन में बताया कि सरकार की अगली योजना नर्मदापुरम और इटारसी तक मेट्रो का विस्तार है। हालांकि, फिलहाल मेमू ट्रेन प्रस्ताव को केंद्र भेजने पर सहमति बनी। सभापति लखन घनघोरिया ने इसे सर्वसम्मति से पारित घोषित किया।

जिम्मेदारों की अनदेखी: सोलर प्लांट के लिए माफियाओं ने किया अवैध उत्खनन

ग्राम छापू व सुगनाखेड़ी के बीच से निकली नदी के 100 मीटर से ज्यादा हिस्से पर 8 फीट गहरी कर डाली खुदाई

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

क्षेत्र के ग्राम छापू बन रहे सोलर प्लांट के जमीन पर कोपरा और मुरम डालने के लिए कुछ लोगों ने नदी ही खोद डाली। यह नदी छापू से ही निकली है और पुलिया पार कर सुगनाखेड़ी की नदी में जाकर मिलती है। उत्खनन करने वालों में बिना किसी रोकटोक के नदी की 8 फीट से ज्यादा खुदाई कर उसमें से निकले कोपरा और मुरम का उपयोग सटकर ही बन रहे सोलर प्लांट की जमीन पर डाल लिया है। हालात ये है कि सड़क पर खड़े होकर ही करीब 100 मीटर लंबे हिस्से में खुदाई का काम साफ तौर दिखाई दे रहा है। खास बात ये है कि क्षेत्र के तहसीलदार संजय चौरसिया को खुदाई के इस काम की कोई जानकारी नहीं है जबकि पटवारी शिवांक जैन इस नदी को खाते की जमीन बता रहे हैं। उन्होंने बताया कि मेरे आने से पहले इस जमीन का सीमांकन हुआ है। नदी किसी आनंद राय के खाते की जमीन में आ रही है। उन्होंने उनकी जमीन में की ही खुदाई कर नदी को मोड़ दिया है। अब नदी अन्यत्र होकर बह रही है। भास्कर ने पटवारी से पूछा कि क्या कोई भी अपनी मनमर्जी से नदी को मोड़ सकता है। उनका जवाब था ये मैं नहीं बता सकता। इसकी जानकारी मुझे नहीं है।

ग्रामीण बोले-इतना कुछ हो रहा किसी को दिखाई ही नहीं दे रहा

नदी की खुदाई का काम महीनों से चल रहा है लेकिन किसी ने भी इसे रोकने की कोशश नहीं की। सुगनाखेड़ी पंचायत के सरपंच विक्रमसिंह धाकड़ ने बताया कि सुना है कि प्लांट वालों की अफसरों से ही मिलीभगत है। इस कारण कोई भी इनका काम नहीं रोक पा रहा। गांव की यह नदी हमारे लिए तो पूजनीय है और इसे इस छलनी कर खत्म करना देखा नहीं जा रहा। जिम्मेदारों को मौके पर आकर मामला देखना चाहिए। नदी अपनी प्राचीन अवस्था में ही रहे तो बेहतर होगा।

अफसरों व धन्नासेठों की मनमानी की हद है

प्लांट की जमीन पर कोपरा और मुरम की पूर्ति के लिए नदी को ही खोदने के मामले को लेकर कांग्रेस भी सक्रिय हो गई है। प्रदेष कांग्रेस सचिव विनोद सेन ने बताया कि महीनों से नदी को खोदा जा रहा है। और अफसरों को पता न हो ऐसा नहीं हो सकता। ये अफसरों और धन्नासेठों की मनमानी की हद है। मामले की उच्चस्तरीय जांच होने के साथ नदी को खत्म करने वालों पर कार्रवाई भी की जाना चाहिए।

जिम्मेदार अफसर बोले-जानकारी नहीं

विदिशा माइनिंग इंस्पेक्टर राजीव कदम ने बताया कि हमसे कोई परमिशन नहीं ली है। छापू और सुगनाखेड़ी तरफ कोपरा या मुरम की खुदाई संबंधी कोई परमिशन हमने से नहीं ली गई है। वैसे भी नदी की खुदाई की परमीशन देने का कोई सवाल ही नहीं उठता। तहसीलदार संजय चौरसिया ने बताया कि कहीं भी ऐसी खुदाई की मुझे जानकारी नहीं है। छापू तरफ किसी नदी में खुदाई का काम चलने की मुझे कोई जानकारी नहीं है। मैं संबंधित पटवारी से पूछ ही बता सकूंगा।

छिंदवाड़ा में कांग्रेस-भाजपा कार्यकर्ता भिड़े, पुलिस को करनी पड़ी मशक्कत

संघर्ष टालने पुलिस ने आधे शहर को छावनी में तब्दील किया, फिर भी तीन बैरिकेड्स फांदकर घुसे भाजपाई

छिंदवाड़ा। दोपहर मेट्रो

नई दिल्ली में एआई समिट के बाद प्रदेशभर में हुए विवाद के चलते गत दिवस के छिंदवाड़ा में भाजपा कार्यकर्ताओं ने उग्र प्रदर्शन करते हुए कांग्रेस कार्यालय का घेराव किया। सुबह से ही पुलिस ने कांग्रेस कार्यालय के चारों तरफ घेराबंदी कर रखी थी। पूरा परिसर छावनी में तब्दील था और कांग्रेसी भी कार्यालय के बाहर जमा रहे। शाम 4 बजे के लगभग बड़ी संख्या में भाजपा प्रदर्शनकारी कांग्रेस कार्यालय के पास पहुंचे। भाजपाई पुलिस द्वारा लगाए गए बैरिकेड्स तोड़ते हुए कांग्रेस कार्यालय तक पहुंच गए। जहां कांग्रेस-भाजपाई आमने-समाने आ गए।

कांग्रेस कार्यालय में प्रदर्शन के दौरान पुलिस बल बड़ी संख्या में तैनात था। शाम 4 बजे भाजपा जिलाध्यक्ष शेषराव यादव के साथ बड़ी संख्या में भाजपाई प्रदर्शन के लिए आए। पोलाग्राउंड सहित कार्यालय के चारों तरफ पुलिस ने तीन लेयर में बैरिकेड्स लगाए थे। पुलिस ने भाजपा कार्यकर्ताओं को रोकने का प्रयास किया लेकिन पोलाग्राउंड के पास से भाजपाई बैरिकेड्स तोड़ते हुए आगे बढ़ते गए। प्रदर्शन के दौरान जमकर तकरार हुई। भाजपा कार्यकर्ताओं के कांग्रेस भवन पहुंचते ही कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी शुरू की। इस दौरान उनकी झड़प भी हुई। भाजपाई कांग्रेस नेता राहुल गांधी का तो कांग्रेसी प्रधानमंत्री का पुतला लिए हुए थे। पुलिस ने पुतले छीने और स्थिति बिगड़ते देख भाजपा-कांग्रेस कार्यकर्ताओं को हटाने के लिए हल्का बल प्रयोग किया। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस-भाजपा कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे पर लाठियां भी फेंकी। यह स्थिति तब बनी, जब भाजपा कार्यकर्ता उग्र थे और प्रदर्शन करते हुए वापस लौट रहे थे। इस दौरान दोनों पक्ष एक दूसरे पर लाठियां फेंकने लगे। बाद में कांग्रेसी एकत्रित होकर पुलिस थाने पहुंचे और धरना प्रदर्शन कर भाजपा कार्यकर्ताओं पर कार्रवाई की मांग की।

कार्यशाला में अजीवन सहयोग निधि एवं वीबीजीआरएम पर हुआ मंथन

भारत का विकास ही भाजपा का एकमात्र उद्देश्य : शर्मा

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

भारतीय जनता पार्टी संगठन द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की पुण्यतिथि को समर्पण दिवस के रूप में मनाने के क्रम में जनपद स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में अजीवन सहयोग निधि संग्रह अभियान एवं विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन ग्रामीण (वीबीजीआरएम) पर विस्तृत विचार-विमर्श हुआ। कार्यशाला का शुभारंभ पंडित दीनदयाल उपाध्याय, भारतमाता एवं डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण से किया गया। इस दौरान मुख्य अतिथि एवं वक्ता के तौर पर क्षेत्रीय विधायक उमाकांत शर्मा उपस्थित रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक उमाकांत शर्मा ने कार्यकर्ताओं की एकता एवं समर्पण पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि आज कुछ लोग सोशल मीडिया पर भ्रामक संदेश फैलाकर पार्टी एवं संगठन की छवि को धूमिल करने का प्रयास कर रहे हैं, किंतु कार्यकर्ताओं को इन अफवाहों पर ध्यान न देते हुए सक्रिय रहकर विचारधारा और संगठन के लिए कार्य करते रहना है, पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के जीवन चरित्र पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने बताया कि पंडित जी की आर्थिक स्थिति अत्यंत साधारण थी और उनका लालन-पालन नाना जी के परिवार में हुआ था। जब उन्होंने असहमति जताई, जिस पर गुरु जी ने स्पष्ट कहा कि समाज और राष्ट्रहित के लिए व्यक्तिगत रुचि न होने पर भी कार्य करना हर व्यक्ति का कर्तव्य है। पंडित जी ने देश के कोने-कोने में घूमकर अपनी विचारधारा को जन-जन तक पहुँचाने का महान कार्य किया, कांग्रेस पर कटाक्ष करते हुए विधायक शर्मा ने कहा कि यह पार्टी आरंभ से ही परिवारवाद की राजनीति करती रही है। देश की स्वतंत्रता के पश्चात प्रधानमंत्री पद के चुनाव में सरदार वल्लभभाई पटेल विजयी हुए थे, किंतु प्रधानमंत्री पद पंडित नेहरू जी को सौंपा गया। उन्होंने यह भी कहा कि आज कई लोग गांधी सरनेम का उपयोग कर रहे हैं, जबकि वास्तविक गांधी परिवार के वंशज सक्रिय राजनीति में नहीं हैं, गुरु जी ने उन्हें राजनीति में आने का आग्रह किया तो विकास की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि हमें वह दौर याद रखना चाहिए जब गाँवों तक पहुंचने के लिए कच्चे रास्तों पर चलना पड़ता था। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने गांव-गांव तक सड़कों का जाल बिछाया और आज देश के यशस्वी प्रधानमंत्री के कुशल नेतृत्व में भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि प्रदेश एवं केंद्र सरकार के हालिया बजट में ग्रामीण एवं शहरी दोनों क्षेत्रों के लिए अनेक महत्वपूर्ण योजनाओं को सम्मिलित किया गया है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने अजीवन सहयोग निधि में योगदान दिया। संगठन द्वारा इस बार कार्यकर्ताओं से सहयोग निधि के लिए राशि चेक की माध्यम से प्राप्त की गई हैं।

अच्छी पहल: ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने जिले में 9 होम स्टे तैयार, 10 और निर्माणाधीन

कम खर्च में मिलेगा गांव की संस्कृति, प्रकृति और परंपरा का अनुभव

कटनी। दोपहर मेट्रो

जिले में पहली बार ग्रामीण परिवेश आधारित पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। जिले में 9 होमस्टे बनकर तैयार हो चुके हैं, जबकि 10 अन्य निर्माणाधीन हैं। इस पहल के माध्यम से अब पर्यटक कम खर्च में गांवों की नैसर्गिक सुंदरता, पारंपरिक जीवनशैली और सांस्कृतिक विरासत का आत्मीय अनुभव कर सकेंगे। जिले का बड़ा भू-भाग बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान के बफर जोन से जुड़ा हुआ है। इसके अलावा बाणसागर बांध के बैक वाटर के रमणीय दृश्य, विशाल जलराशि और आसपास स्थित प्राचीन मंदिरों का भ्रमण अब पर्यटक होमस्टे में ठहरकर सहज रूप से कर सकेंगे। विकासखंड विजयराघवगढ़ और बड़वारा के ग्राम खितौली, कोनिया और जमुनिया में ये होमस्टे स्थापित किए गए हैं। होमस्टे योजना के माध्यम से जिले के ग्रामीण जीवन की सादगी, पारंपरिक खान-पान, लोक कला और समृद्ध संस्कृति की व्यापक पहचान बनेगी। इससे न केवल पर्यटन को गति मिलेगी, बल्कि स्थानीय स्तर पर टैक्सी सेवा, हस्तशिल्प, कृषि उत्पाद और अन्य गतिविधियों के जरिए रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।

पांच से छह लाख रुपए की आती है लागत

जानकारी के अनुसार ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड के सहयोग से मानव जीवन विकास समिति द्वारा कुल 19 होमस्टे विकसित किए जा रहे हैं। समिति के सचिव एवं पर्यावरणविद निर्भय सिंह के अनुसार एक होमस्टे के निर्माण में लगभग 5 से 6 लाख रुपए की लागत आती है। योजना के तहत राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान से 2 लाख रुपए तथा ट्रायबल टूरिज्म परियोजना के अंतर्गत 3 लाख रुपए तक का अनुदान दिया जाता है, जबकि शेष राशि हितग्राही स्वयं वहन करता है।

नर्मदा परिक्रमा क्षेत्र में अवैध वसूली का आरोप

अमरकंटक। दोपहर मेट्रो

नर्मदा परिक्रमा क्षेत्र में श्रद्धालुओं से कथित अवैध वसूली का मामला सामने आया है। आरोप है कि नर्मदा तट परिवर्तन के नाम पर एक स्थानीय एजेंट ने परिक्रमावासियों से प्रति सवारी 750 रुपये की दर से राशि वसूल की। घटना के बाद श्रद्धालुओं में आक्रोश व्याप्त है और पूरे प्रकरण का वीडियो सामने आने की बात कही जा रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कोलकाता से आए परिक्रमावासियों के एक समूह ने बताया कि वे उत्तर तट स्थित गुरुद्वारा में ठहरे हुए थे। इसी दौरान एक स्थानीय एजेंट ने उनसे संपर्क कर नर्मदा के दक्षिण तट परिवर्तन एवं आसपास के प्रमुख तीर्थ स्थलों के भ्रमण के लिए प्रति व्यक्ति 750 रुपये लेने की बात कही। समूह में लगभग 50 परिक्रमावासी शामिल थे, जिनसे उक्त दर से राशि ली गई। परिक्रमावासियों का आरोप है कि एक वाहन में 10-10 सवारियां बैठाई गईं। इसके बावजूद उन्हें सभी प्रमुख स्थलों का समुचित दर्शन नहीं कराया गया। पांच वाहनों के माध्यम से श्रद्धालुओं को तट परिवर्तन कर आरण्य संगम में छोड़ दिया गया। श्रद्धालुओं का कहना है कि उन्हें यह जानकारी नहीं थी कि निर्धारित राशि क्या है और उनसे अधिक पैसा लिया जा रहा है। बाद में अन्य माध्यमों से जानकारी मिलने पर उन्हें कथित अधिक वसूली का अंदेशा हुआ। पीड़ित परिक्रमावासियों ने इसे खुली लूट करार देते हुए प्रशासन से मामले की जांच कर संबंधित एजेंट के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की है। स्थानीय स्तर पर भी इस घटना को लेकर चर्चा तेज है। बताया जा रहा है कि जल्द ही पूरे घटनाक्रम से जुड़ा वीडियो सार्वजनिक किया जा सकता है, जिससे मामले की स्थिति और स्पष्ट हो सकेगी।

आदित्य ने 'कैंचियों' से तोड़ा वर्ल्ड रेकॉर्ड इटली विश्व चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई

उज्जैन। उज्जैन के अलखधाम नगर के युवा हेयर स्टाइलिस्ट आदित्य देवड़ा ने पारंपरिक बर्बरिंग को नई दिशा देते हुए ऐसा कीर्तिमान रचा है, जिसने शहर को अंतरराष्ट्रीय मंच पर पहचान दिलाई है। 12 वर्षों से हेयर स्टाइलिंग के क्षेत्र में सक्रिय आदित्य ने एक साथ 28 से 32 कैंचियों से हेयरकट करने की अनोखी तकनीक विकसित की है। यह केवल कौशल का प्रदर्शन नहीं, बल्कि वर्षों की साधना, संतुलन और आत्मविश्वास का परिणाम है। उनका नाम इंडियन बुक ऑफ वर्ल्ड रेकार्ड्स गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रेकार्ड्स और लंदन स्थित वर्ल्ड बुक ऑफ रेकॉर्डर्स में दर्ज हो चुका है। शिक्षा के साथ हुनर को लगातार तराशते हुए उन्होंने साबित किया कि डिजिटल दौर में सीखने की कोई सीमा नहीं होती और समर्पण के दम पर स्थानीय प्रतिभा भी विश्व पटल तक पहुंच सकती है। आदित्य ने आइटीआइ खाचरौद से तकनीकी शिक्षा प्राप्त की, इसके बाद बीकॉम और एमबीए (फाइनेंस मैनेजमेंट) की पढ़ाई पूरी की। पढ़ाई के साथ-साथ उन्होंने अपने पारिवारिक व्यवसाय को जारी रखा और हेयर स्टाइलिंग में नए प्रयोग करते रहें।

मेट्रो एंकर

साढ़े पांच करोड़ की लागत से विकास कार्यों का भूमि पूजन

वर्षों पुरानी मांग पूरी, शहर व ग्रामीण क्षेत्र को मिलेगी रफ्तार

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

क्षेत्र में आधारभूत संरचनाओं को मजबूती देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए विधायक हरिसिंह रघुवंशी ने साढ़े पांच करोड़ रुपये से अधिक की लागत के विभिन्न निर्माण कार्यों का भूमि पूजन किया। पूर्वी रेलवे कॉलोनी में आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि व ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

भूमि पूजन के अंतर्गत 4 करोड़ 48 लाख रुपये की लागत से बेहलोट चौकी पहुंच मार्ग हरदुखेड़ी रेलवे फाटक से त्योंदा रोड स्थित बेतौली डिपो तक सड़क निर्माण किया जाएगा। इसके अतिरिक्त 23 लाख रुपये की लागत से गंजबासौदा-बरेठ मुख्य मार्ग से हरिपुर खेरुआ तक डामरीकरण कार्य होगा। वहीं 37 लाख रुपये से अधिक की लागत से ग्राम पंचायत पचमा भवन का निर्माण किया जाएगा।

विधायक हरिसिंह रघुवंशी ने कहा कि इन सड़कों के निर्माण से गंजबासौदा को नई गति मिलेगी और शहर में लंबे समय से बनी जाम की समस्या से राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों के माध्यम से क्षेत्र की वर्षों पुरानी मांग अब पूरी हो रही है। कार्यक्रम में उपस्थित नागरिकों ने मुख्यमंत्री मोहन यादव, केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान एवं विधायक हरिसिंह रघुवंशी के प्रति आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य गायत्री रघुवंशी, जनपद सदस्य अमृतांशु यादव, सरपंच रामनारायण मीणा, ग्रामीण मंडल अध्यक्ष लाखन सिंह रघुवंशी, पूर्व जिला अध्यक्ष राकेश सिंह जादौन, वरिष्ठ भाजपा नेता जितेंद्र मैना, चंद्रशेखर दुबे, रामबाबू यादव, रमाकांत मिश्रा, रूपेंद्र शर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीणजन मौजूद रहे।

न्यूज विंडो

कुश्ती प्रतियोगिता में 50 से अधिक पहलवानों ने दिखाया दम

मंडीदीप। शासकीय स्कूल खेल मैदान, मंगल बाजार में रामराज्य संगठन के तत्वावधान में जिला केसरी कुश्ती प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में रायसेन जिले सहित आसपास के विभिन्न स्थानों से आए 50 से अधिक पहलवानों ने उत्साहपूर्ण भागीदारी की और दमदार दंगल दिखाया। प्रतियोगिता का शुभारंभ परशुराम ककयान बोर्ड मध्यप्रदेश के अध्यक्ष विष्णु राजोरिया और मंडीदीप के वरिष्ठ पहलवान रूपसिंह ने दीप प्रज्वलित करके किया। इस अवसर पर विष्णु राजोरिया ने कहा, ÷युवाओं में खेलों का नशा सबसे बेहतर नशा होता है। खेलों से जहां शरीर स्वस्थ रहता है और जीवन की दिशा तय होती है, वहीं अन्य प्रकार के नशे जीवन को खोखला और दिशाहीन बना देते हैं। कुश्ती जैसे भारतीय संस्कृति से ओतप्रोत खेलों में युवाओं को भाग लेते देख बहुत अच्छा लग रहा है। देर रात तक चली इस कुश्ती प्रतियोगिता को देखने के लिए खेल मैदान पर हजारों की संख्या में दर्शक जुटे रहे। दंगल का रोमांच और पहलवानों की जोरदार कुश्ती ने पूरे मैदान को उत्साह से भर दिया। आयोजकों करण मेहरा और कुनाल मेहरा ने बताया कि इस प्रतियोगिता में 50 से ज्यादा पहलवानों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता के अंत में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले विजेता को जिला केसरी के सम्मानित खिताब से नवाजा गया ।

आधी रात को सुनार की दुकान में घुसे 6 चोर, गहने और नकदी लेकर फरार

सिंगरौली। जिले में अपराधियों के हौसले बुलंद होते जा रहे हैं। इसकी ताजा बानगी सामने आई बरगवां थाना क्षेत्र में जहां आधी रात को करीब आधा दर्जन बदमाशों ने एक सुनार की दुकान पर धावा बोल दिया और लाखों का माल चुराकर फरार हो गए। बदमाश शटर तोड़कर ज्वेलरी शॉप में घुसे और लाखों रुपये के सोने-चांदी के आभूषण और नकदी चोरी कर फरार हो गए। ये पूरी वारदात दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है। बताया जा रहा है कि, बरगवां बाजार स्थित सेठ विनोद कुमार सर्राफ की दुकान को चोरो ने 18 फरवरी की आधी रात निशाना बनाया। बदमाश सुनसान समय का फायदा उठाकर दुकान के सामने पहुंचे। पहले आसपास की गतिविधियों पर नजर रखी, फिर औजारों की मदद से शटर का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश कर गए। सीसीटीवी फुटेज में करीब 5 से 6 बदमाश चेहरे ढंके हुए नजर आ रहे हैं। दुकान में घुसते ही वे सीधे काउंटर और तिजोरी की ओर बढ़े। कुछ ही मिनटों में शोकेस में रखी सोने की चेन, अंगूठियां, कंगन और चांदी के आभूषण बैग में भर लिए। गल्ले में रखी नकदी भी समेट ली गई।

अधिकारियों ने सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन का पालन करने के दिए निर्देश

डीजे संचालकों को सख्त हिदायत, तेज आवाज में डीजे बजाने पर होगी कार्रवाई

अजय आहूजा। मंडीदीप

औद्योगिक शहर में बोर्ड परीक्षाओं के दौरान तेज आवाज में डीजे बजने से छात्रों की पढ़ाई पर पड़ रहे प्रतिकूल प्रभाव और बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर होने वाले नकारात्मक असर को लेकर प्रशासन ने सख्त कदम उठाया है। मंडीदीप कोचिंग संघ की शिकायत के बाद, जिसमें मीडिया ने भी इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाया था, प्रशासन हरकत में आया।

मंडीदीप पुलिस थाने में एसडीएम सीएस श्रीवास्तव एवं एसडीओपी शीला सुराणा के नेतृत्व में डीजे संचालकों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में अधिकारियों ने डीजे संचालकों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा जारी ध्वनि प्रदूषण संबंधी दिशा-निर्देशों का पूर्ण पालन करना अनिवार्य है। अधिकारियों ने चेतावनी दी कि यदि कोई संचालक नियमों का उल्लंघन करता पाया गया, तो डीजे सिस्टम जब्त करने के साथ-साथ सख्त कानूनी कार्यवाही की जाएगी। विशेष रूप से बोर्ड परीक्षाओं के दौरान तेज आवाज में डीजे बजाने पर कोई ढील नहीं बरती जाएगी, ताकि छात्रों की एकाग्रता और

बुजुर्गों की सेहत प्रभावित न हो।कोचिंग संघ ने बताया कि तेज ध्वनि से बच्चों की पढ़ाई बाधित हो रही है, जबकि कंपन से बुजुर्गों को स्वास्थ्य संबंधी गंभीर समस्याएं हो रही हैं। प्रशासन ने सभी संचालकों से अपील की है कि वे सहयोग करें और नियमों का पालन करते हुए डीजे संचालित करें, अन्यथा कार्रवाई से बचना मुश्किल होगा।

> प्रशासन को साधुवाद, बच्चों की पढ़ाई को ध्यान में रखकर डीजे संचालकों पर अंकुश लगाने की पहल की गई।
> –**विक्की**, अध्यक्ष कोचिंग संघ

> शहर में तेज आवाज में डीजे बजने की कई शिकायतें आ रहीं थी, इसके तहत डीजे संचालकों को बुलाकर सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन का पालन करने की सख्त हिदायत दी गई है, जो पालन नहीं करेगा उस पर सख्त कार्यवाही की जाएगी।
> –**सीएस श्रीवास्तव**, एसडीएम गोहरगंज

'साहब फांसी लगा रहा हूं, शव ले जाना', युवक ने पुलिस को किया कॉल, फिर फंदे पर लटका

सागर। दोपहर मेट्रो

प्रदेश के बीना से एक सनसनीखेज मामले ने सबको चौंका दिया। यहां सिरौजीपुर गांव में एक युवक ने डायल 112 को सूचना देकर फंदा लगाकर जान दे दी, जब तक पुलिस गांव पहुंची, तब तक उसकी सांसे थम चुकी थी। पुलिस ने शव का पीएम कराके परिजनों के सुपुर्द कर दिया है।

जानकारी के अनुसार शनिवार की रात 8.58 बजे सिरौजीपुर के अभिषेक उर्फ कल्लू पंथी (32) ने डायल 112 पर फोन लगाया और कहा कि साहब फांसी लगाकर जान दे रहा हूं, मरने के बाद मेरा शव ले जाना। इतना कहकर युवक ने मोबाइल तोड़ दिया। युवक ने अपना नाम अभिषेक बताया इसके अलावा और कोई जानकारी पुलिस के लिए नहीं दी। ड्यूटी पर मौजूद आरक्षक दीपेन्द्र मौर्य व पायलट रोहित यादव लोकेशन के अनुसार रामपुर पहुंचे, लेकिन वहां पर अभिषेक नाम के युवक की जानकारी नहीं मिली। इसके बाद वह तत्काल सिरौजीपुर पहुंचे, जहां पर युवक की जानकारी ली और युवक के घर पहुंचे। यहां पर पुलिस के आवाज देने पर युवक के पिता घर से बाहर निकले, लेकिन उन्हें यह जानकारी नहीं थी कि उनके बेटे ने फंदा लगाकर जान दे दी है। जब पुलिस ने इसकी जानकारी पिता से ली तो पिता ने कहा कि उनका बेटा कुछ देर पहले कहीं चला गया है। जब पुलिस ने कहा कि घर में तलाश करो तो वह कमरे में नहीं मिला और जैसे ही पुलिस सीढियों से छत की ओर बढ़ी तो युवक फंदे पर लटका मिला।

आबकारी विभाग ने वाहन से जब्त की लाखों की बीयर

दो आरोपियों को किया गिरफ्तार, इंदौर से धार आ रही थी अवैध शराब की खेप

धार । दोपहर मेट्रो

नगर में स्थित इंदौर-अहमदाबाद फोरलेन के बायपास पर आबकारी विभाग द्वारा कार्यवाही की गई है। विभाग को सूचना मिली थी कि इंदौर से अवैध शराब से भरा हुआ वाहन रात के अंधेरे में धार आ रहा है। सूचना पर विभाग की टीम ने तुर्कबगड़ी रोड स्थित एक वेयरहाऊस के समीप घेराबंदी करते हुए आयशर वाहन को रोका, हालांकि टीम को देखकर वाहन के चालक व क्लीनर ने भागने का प्रयास किया तो आबकारी अमले ने दौड लगाकर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया। आयशर वाहन में बीयर की पेटियां रखी थी। जिसे जप्ते कर लिया गया है। वाहन सहित शराब की कुल कीमत 18 लाख रुपए बताई जा रही है।

दरअसल प्रतिमाह होने वाली मासिक बैठक में राजनारायण सोनी द्वारा जिले के सभी वत अधिकारियों व सहायक जिला आबकारी अधिकारियों को अवैध शराब परिवहन, संग्रहण सहित विक्रय के खिलाफ कठोर कार्यवाही के निर्देश दिए थे। जिसके बाद से ही लगातार रात्रि गश्तज पर फोकस कर अवैध शराब से भरो वाहनों को जब्त किया जा रहा है। इसी कड़ी में मुखबिर से मिली सटीक सूचना के आधार पर आबकारी विभाग की टीम ने फोरलेन से तुर्क बगड़ी मार्ग पर स्थित एक वेयरहाउस के समीप घेराबंदी की। इंदौर की ओर से आ रहे आयशर वाहन क्रमांक एमपी-09 सीजी- 7345 को रोककर तलाशी ली गई। वाहन में कुल 199 पेटी बोल्ट बीयर भरी हुई पाई गई। ड्राइवर और क्लीनर के पास इस शराब के संबंध में कोई वैध दस्तावेज नहीं थे। आबकारी विभाग के अनुसार, जब्त की गई बोल्ट बीयर की अनुमानित कीमत लगभग 5 लाख 75 हजार रुपए है। इसके अतिरिक्त, आयशर वाहन की अनुमानित कीमत 12 लाख 25 हजार रुपए बताई जा रही है। इस प्रकार, कुल 18 लाख रुपए मूल्य की अवैध शराब और वाहन जब्त किए गए हैं। सहायक जिला आबकारी अधिकारी दिनेश उदैनिया ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर यह कार्रवाई की गई। उन्होंने कहा कि फिलहाल यह जांच की जा रही है कि यह अवैध शराब कहां से लाई गई थी और इसे कहां ले जाया जा रहा था। मामले में विस्तृत विवेचना जारी है। इस कार्रवाई में देवकरण निवासी खिड़किया (तिरला), और गणेश, निवासी पीपलगुण (कसरावद), को गिरफ्तार किया गया है। दोनों आरोपियों के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है

तीन हादसों में एक युवक की मौत, 13 लोग घायल

शिवपुरी। दोपहर मेट्रो

जिले के तीन अलग-अलग स्थानों पर हुए सडक़ हादसों में एक युवक की मौत हो गई, जबकि दंपती सिहित 13 लोग घायल हुए हैं। सभी घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के मुताबिक डोंगरा निवासी नरेन्द्र आदिवासी(25) व उसके भाई ऊधम आदिवासी बीती रात अपने गांव से एक शादी समारोह व बारात में शामिल होने के लिए बाइक पर सवार होकर नयागांव दादोल जा रहे थे। रास्ते में सुरवाया थाना क्षेत्र के ग्राम करई के पास एक ट्रैक्टर चालक ने दोनों भाइयों में टक्कर मार दी। घटना में नरेन्द्र आदिवासी की जहां मौके पर

मौत हो गई, वहीं ऊधम घायल है। घायल को मेडिकल कॉलेज में इलाज के लिए भर्ती कराया है। पुलिस ने रविवार को मृतक के शव का पीएम कराकर मामले में कार्रवाई शुरू कर दी हैं।

ट्रक का टायर बाइक सवार दंपती से टकराया, हुए घायल

शिवपुरी. शाजापुर जिले के मोहम्मदपुर गांव निवासी विजय ङ्क्षसह नाथ अपनी पत्नी कृष्णा बाई के साथ अपने एक रिश्तेदार के यहां हुई गमी में शामिल होकर बाइक से अपने गांव जा रहे थे। तभी बड़ौदी के पास थीम रोड पर अचानक एक ट्रक का टायर लुढक़ता हुआ उनकी बाइक से टकरा गया और बाइक सवार दंपती सडक़ पर जा गिरे। होदसे में दंपती गंभीर घायल हो गए और मौके पर मौजूद लोगों ने एंबुलेंस बुलाकर उन्हें जिला अस्पताल पहुंचाया। घायल विजय सिंह ने आरोप लगाया है कि किसी टायर रिपेयङ्क्षरग दुकान के मैकेनिक की लापरवाही के कारण टायर सड़क पर आ गया, जिससे यह दुर्घटना हुई।

दहेज में मिला सामान लेकर लौट रहे बारातियों से भरा वाहन पलटा

कोलारस. जिले के कोलारस में होटल बागवान के पास रविवार सुबह एक लोडिंग वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया। घटना में 10 लोग घायल हो गए, जिनमें से 6 लोगों की हालत नाजुक है। घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। घायलों का आरोप है कि जो वाहन चालक था, वह शराब के नशे में था, इसलिए यह घटना हुई। बामौरकला थाना क्षेत्र के ग्राम काली पहाड़ी निवासी भगवान सिंह कोली अपने बेटे प्रमोद की शादी के लिए खेरौना गांव गए थे। शादी समारोह संपन्न होने के बाद रविवार सुबह दहेज का सामान लोडिंग वाहन में भरकर अपने गांव लौट रहे थे। वाहन में करीब 10 लोग सवार थे। रविवार सुबह करीब 8 बजे जब वह होटल बागवान के पास से निकले तो वाहन अचानक से अनियंत्रित होकर पलट गया। घटना में दूल्हे के पिता भगवानसिंह कोली, चाचा मूलचंद कोली, मालम कोली, राजू कोली, शंकर कोली सहित अन्य लोग घायल हो गए। सभी को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। परिजन ने वाहन चालक किशन अहिरवार पर शराब के नशे में गाड़ी चलाने का आरोप लगाया है और उसी से यह हादसा हुआ है।

संत गाडगे महाराज ने शिक्षा और स्वच्छता के प्रति किया जागरुक

तेन्दूखेड़ा/दमोह दोपहर मेट्रो

आज संत श्री गाडगे जी महाराज की 150 वीं जयंती सांस्कृतिक, सामाजिक कार्यक्रम कर धूमधाम से पूरे जिले में मनाई जा रही है। संत गाडगे समाज के प्रति सदैव आजीवन समर्पित रहे। उन्होंने अपने जीवन में अनाथलायक, विद्यालय, चिकित्सालय आदि की स्थापना करते देशवासियों को शिक्षा और स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के लिए प्रेरित किया। आज की युवा पीढ़ी को उनसे सीख लेनी चाहिए। उनके विचारों में बच्चों को शिक्षित बनाने की प्रेरणा थी। रजक समाज के लोगों का कहना है कि संत गाडगे बाबा के जीवन का एकमात्र ध्येय था-लोक सेवा। दीन-दुखियों तथा उपेक्षितों की सेवा को ही वे ईश्वर भक्ति मानते थे। उनका विश्वास था कि ईश्वर दरिद्र नारायण के रूप में मानव समाज में विद्यमान है। मनुष्य को चाहिए कि वह इस भगवान को पहचाने और उसकी तन-मन-धन से सेवा करें। भूखों को भोजन, प्यासे को पानी, अनपढ़ को शिक्षा, बेकार को काम, निराश को ढाढस और मूक जीवों को अभय प्रदान करना ही भगवान की सच्ची सेवा है। संतश्री के जीवन से सभी को सीख लेनी चाहिए और मानव सेवा करना चाहिए वहीं जिले के बांदकपुर सहित पूरे देशभर में आज गाडगे महाराज की जयंती धूमधाम से मनाई जाएगी।

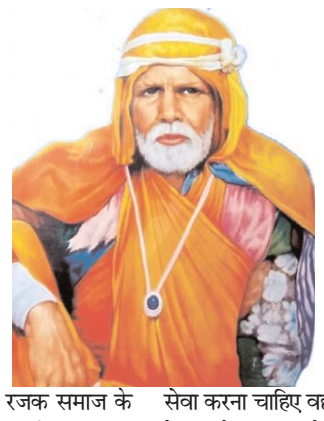

मेट्रो एंकर

व्यसन मुक्ति और स्वास्थ्य शिविर आयोजित, 300 से अधिक कर्मचारी हुए शामिल

सेहत का सुरक्षा कवच: गुटखे से होने वाली बीमारियों को लेकर किया सचेत

धार। दोपहर मेट्रो

पुलिसकर्मियों की व्यस्त दिनचर्या और तनावपूर्ण जीवन को देखते हुए पुलिस विभाग द्वारा उनकी सेहत सुधारने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। पुलिस अधीक्षक मयंक अवस्थी के निर्देशन में पुलिस लाइन स्थित पुलिस अस्पताल में पुलिस अधिकारियों, कर्मचारियों और उनके परिजनों के लिए निशुल्क मुख एवं दंत रोग परीक्षण, व्यसन मुक्ति तथा मुख कैंसर काउंसिलिंग शिविर का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत में विशेषज्ञ डॉ. भूषण झाम्बरे (पाटिल) ने तंबाकू और गुटखे से होने वाली बीमारियों के प्रति सचेत किया। उन्होंने बताया कि नशे की लत से न केवल शारीरिक स्वास्थ्य गिरता है, बल्कि यह मानसिक और आर्थिक रूप से भी व्यक्ति को खोखला कर देता है। डॉ. झाम्बरे ने पुलिसकर्मियों को व्यसन से

मुक्ति पाने के वैज्ञानिक तरीकों की जानकारी दी।

रक्षित निरीक्षक पुरूषोत्तम बिश्नोई ने अपने संबोधन में युवाओं और पुलिस बल को नशे के प्रति आगाह करते हुए कहा कि गुटखा और सिगरेट सिर्फ एक लत नहीं, बल्कि मौत का धीमा जहर है। जब हम नशे का सेवन करते हैं, तो सिर्फ हमारा शरीर ही नहीं, बल्कि पूरा परिवार बर्बाद होता है। नशा छोड़ने के लिए आत्म-नियंत्रण और दृढ़ निश्चय सबसे जरूरी है। उन्होंने नशे की तलब लगने पर सौंफ, इलायची या लौंग जैसे स्वस्थ विकल्पों को अपनाने और दिनचर्या में योग व प्राणायाम शामिल करने की सलाह दी।

सीपीआर और प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण

शिविर के दौरान पुलिसकर्मियों को आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन और प्राथमिक उपचार का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने न नशा करेंगे, न करने देंगे, की शपथ ली। शिविर में सोडानी डायग्नोस्टिक सेंटर के सहयोग से शुगर और बीपी की भी निशुल्क जांच की गई। इस आयोजन में पुलिस विभाग की विभिन्न इकाइयों के लगभग 300 लोग शामिल हुए। इस अवसर पर निरीक्षक रामवीर गोयल, निरीक्षक मगनसिंह कटारा, सूबेदार रविन्द्र कुशवाह, उनि उत्तम बाल्के सहित सोडानी डायग्नोस्टिक सेंटर का स्टाफ उपस्थित रहा।

कांग्रेस ने दिया समर्थन

गोमाता को 'राष्ट्र माता' बनाने युवाओं ने खून से किए हस्ताक्षर

झाबुआ। दोपहर मेट्रो

गोमाता को 'राष्ट्र माता' का दर्जा देने की मांग को लेकर झाबुआ जिले में आस्था और आक्रोश का अनोखा संगम देखने को मिला। थांदला के युवा गोभक्त यश राठौड़ ने 13 फरवरी से शुरू की अपनी 10 दिवसीय दंडवत यात्रा का समापन झाबुआ में किया। करीब 33 किमी की दूरी दंडवत लेटकर तय की। यात्रा के समापन पर जेल बगीचे में गोभक्तों ने उनका स्वागत किया और आंदोलन को समर्थन दिया। आंदोलन के दौरान युवाओं का उत्साह चरम पर रहा। प्रदर्शनकारी अपने साथ सफेद कपड़ा और सिरिंज लेकर पहुंचे। कई गोभक्तों ने अपना रक्त निकालकर कपड़े पर अपनी भावनाएं लिखीं और हस्ताक्षर के रूप में खून से सने पंजों के निशान बनाए। युवाओं का स्पष्ट संदेश था कि गोमाता के सम्मान और गोरक्षा के लिए वे अपना रक्त देने से भी पीछे नहीं हटेंगे। आंदोलन को जिला कांग्रेस का भी समर्थन मिला। वीरसिंह भूरिया, प्रकाश रांका और वालसिंह मेड़ा सहित अन्य नेता मौके पर पहुंचे। कांग्रेस नेताओं ने राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि यदि गोमाता के सम्मान की बात की जाती है तो उसे धरातल पर भी दिखना चाहिए।

भारत के खिलाफ अमेरिका ने की थी शानदार शुरूआत, नेपाल-इटली ने भी डराया

एसोसिएट देशों का बेहतर प्रदर्शन: भारत-पाकिस्तान और इंग्लैंड को दी टक्कर

वडोदरा , एजेंसी

टी20 वर्ल्ड कप 2026 में एसोसिएट देशों ने अपने प्रदर्शन से पूरी दुनिया को चौंका दिया है। नीदरलैंड, नेपाल, अमेरिका, इटली और स्कॉटलैंड जैसी टीमों ने क्रिकेट के दिग्गजों को हार की कगार पर खड़ा कर दिया। आंकड़े गवाह हैं कि अब एसोसिएट और फुल मेंबर देशों (टेस्ट खेलने वाले देश) के बीच का अंतर तेजी से कम हो रहा है। हालांकि, इन टीमों के कोच और खिलाड़ियों का दर्द एक ही है उन्हें बड़े देशों के खिलाफ खेलने के पर्याप्त मौके नहीं मिलते। इस वर्ल्ड कप में कई ऐसे मौके आए जब बड़ी टीमें उलटफेर का शिकार होते-होते बचीं। नीदरलैंड के खिलाफ पाकिस्तान की टीम 148 रन का पीछा करते हुए 114 रन पर उसके 7 विकेट गिर गए थे। मैक्स ओ%डॉड से एक कैच छूटा और फहीम अशरफ ने अंत में छक्का जड़कर मैच पाकिस्तान की झोली में डाल दिया। भारत के

खिलाफ अमेरिका ने भी शानदार शुरूआत की थी और 10वें ओवर तक भारत का स्कोर 63 रन पर 4 विकेट कर दिया था। शुभम रांजणे ने अगर सूर्यकुमार यादव का कैच न छोड़ा होता, तो नतीजा कुछ और हो सकता था। सूर्या ने 84 रनों की पारी खेलकर भारत को जीत दिलाई।

नेपाल और इटली ने इंग्लैंड को डराया: नेपाल की टीम इंग्लैंड के खिलाफ 185 रनों का पीछा करते हुए जीत के बेहद करीब थी। लोकेश बम की 15 गेंदों पर 35 रनों की पारी ने इंग्लैंड की सांसें अटका दी थीं, लेकिन सैम करन ने मैच बचा लिया। उन्होंने 4 ओवर में 27 रन देकर 1 विकेट लिए। वहीं पहली बार खेल रही इटली की टीम ने भी इंग्लैंड के खिलाफ 203 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए जमकर लड़ाई लड़ी और मैच को आखिरी 2 ओवरों तक ले गए। नेट प्रैक्टिस से नहीं, मैच खेलने से आएगा कॉन्फिडेंस यूएई के कोच लालचंद राजपूत ने एसोसिएट देशों की समस्या पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा, आप कितनी भी नेट प्रैक्टिस कर लें, लेकिन जब तक आप मैदान पर मुश्किल स्थितियों का सामना नहीं करेंगे, तब तक दबाव झेलना नहीं सीखेंगे। जब आप अच्छी टीमों के खिलाफ खेलेंगे, तभी आप में यह भरोसा आएगा कि अगली बार ऐसी स्थिति में हम जीत सकते हैं।

शाद बिन जफर और बास डी लीडे की मांग

कनाडा के कप्तान साद बिन जफर ने कहा कि बड़े देशों के खिलाफ खेलना ही असल लर्निंग ग्राउंड है। वहीं नीदरलैंड के बास डी लीडे ने याद दिलाया कि इस वर्ल्ड कप के बाद जून तक उनकी टीम का कोई शेड्यूल नहीं है। उन्होंने सुझाव दिया कि बड़े देशों के साथ ट्राई-सीरीज या यूरोपियन टी-20 सीरीज से विकल्प तलाशे जाने चाहिए। मौके न मिलने से टूटती है लय रिकॉर्ड्स बताते हैं कि आईसीसी और बड़े बोर्ड्स अक्सर छोटी टीमों को नजरअंदाज करते हैं। 2024 वर्ल्ड कप में सुपर-8 तक पहुंचने वाली अमेरिका की टीम ने इस वर्ल्ड कप तक किसी बड़े देश के खिलाफ एक भी मैच नहीं खेला। इसी तरह, 2022 में साउथ अफ्रीका को हराने वाली नीदरलैंड की टीम ने अगला टी-20 मैच सीधे 479 दिनों के बाद खेला।

अनुभवी कोच बदल रहे हैं तस्वीर

मौके कम मिलने के बावजूद इन टीमों के बेहतर प्रदर्शन की बड़ी वजह दुनियाभर में चल रही टी-20 लीग्स हैं। एंड्रीज गौस (यूएसए) और मोहम्मद वसीम (यूएई) जैसे खिलाड़ी राशिद खान, निकोलस पूरन और क्रिस वोक्स जैसे दिग्गजों के साथ ड्रेसिंग रूम शेयर कर रहे हैं। साथ ही, स्टुअर्ट लॉ (नेपाल), गैरी कर्स्टन (नामीबिया) और लालचंद राजपूत (यूएई) जैसे अनुभवी कोचों की मौजूदगी ने इन टीमों की सोच को प्रोफेशनल बनाया है। फुल मेंबर्स का सिस्टम छोड़कर दूसरे देशों से खेलने का फायदा एसोसिएट टीमों की मजबूती का एक और स्तंभ वे खिलाड़ी हैं जो अपने मूल देश (फुल मेंबर) में मौके न मिलने पर दूसरे देशों का रुख कर रहे हैं। रोलोफ वैन डर मर्वे (साउथ अफ्रीका से नीदरलैंड) और ग्रांट स्टीवर्ट (इंग्लैंड से इटली) इसके बड़े उदाहरण हैं।

वर्ल्ड कप में रुक गया टीम इंडिया का विजय रथ

अभिषेक फिर फेल, 'सुंदर' प्रयोग पर सवाल... सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदों को धक्का

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत-साउथ अफ्रीका के बीच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में रविवार को टी20 वर्ल्ड कप के सुपर-8 का मुकाबला खेला गया। इस मैच में टीम इंडिया को 76 रनों से करारी हार का सामना करना पड़ा। इस हार के चलते टीम इंडिया का नेट रन रेट भी बुरी तरह से खराब हुआ है। जिसके चलते सेमीफाइनल में पहुंचने की भारत की उम्मीद को भी धक्का लगा है। साउथ अफ्रीका की भी शुरुआत इस मैच में अच्छी नहीं थी। 20 के स्कोर पर साउथ अफ्रीका के तीन टॉप बल्लेबाज आउट हो गए थे। उम्मीद थी भारतीय बॉलर्स इस प्रेशर को बनाकर रखेंगे। लेकिन मिलर और ब्रेविश ने पूरा प्रेशर रिलीज कर दिया और ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की। दोनों के बीच 97 रनों की साझेदारी हो गई। इस मैच में साउथ अफ्रीका ने भारतीय स्पिनर्स को आड़े हाथों लिया। वरुण चक्रवर्ती ने 4 ओवर में 47 रन लुटाए और सुंदर को 2 ओवर में 17 रन पड़े। स्पिनर्स के खाते में केवल 1 विकेट ही आए। हार्दिक ने आखिरी ओवर में 20 रन लुटा दिए। एक समय लग रहा था कि भारत साउथ अफ्रीका को 175 के अंदर रोक देगा। लेकिन हार्दिक के इस ओवर से लक्ष्य 188 का हो गया, जिसने भारतीय बल्लेबाजों पर मानसिक दबाव बनाया। इस मैच में एक बार फिर भारतीय ओपनर्स ने निराश किया। पहले ही ओवर में ईशान बिना खाता खोले आउट हो गए। इसके बाद तिलक भी सस्ते में निपट गए। अभिषेक से उम्मीद थी की वो बड़ी पारी खेलेंगे। लेकिन वो भी 15 रन बनाकर आउट हो गए।

बैटर्स के इंटेंट पर सवाल लाजमी

भारत का हर बल्लेबाज पहली ही गेंद से छक्का जड़ने की फिराक में दिखा। किसी ने ये जहमत नहीं की कि जरा पिच को भी समझा जाए। अभिषेक के बल्ले में गेंद नहीं आ रही थी। लिहाजा उन्हें खुद को समय देना चाहिए था और साझेदारी करनी चाहिए थी और सिंगल डबल पर फोकस करना था। लेकिन वो हर गेंद को बड़े शॉट में खेलना चाहते थे। लिहाजा विकेट गंवा बैठे। यही हाल ईशान, तिलक और सुंदर का भी रहा।

सुंदर के प्रयोग पर सवाल

भारत ने इस मैच में अक्षर की जगह सुंदर को मौका दिया था। लेकिन वो बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में फ्लॉप रहे। जबकि अक्षर बल्लेबाजी,गेंदबाजी और फील्डिंग तीनों में प्रभावी दिखते हैं। सुंदर से केवल 2 ओवर की गेंदबाजी कराई गई। लिहाजा ये प्रयोग भी बुरी तरह फेल रहा।

चार बल्लेबाज नहीं खोल सके खाता

भारत की बल्लेबाजी इस मैच में इतनी खराब रही कि उसके चार बल्लेबाज खाता भी नहीं खोल सके। ईशान किशन, रिंकू सिंह, वरुण चक्रवर्ती और जसप्रीत बुमराह का खाता नहीं खुला। वहीं, तिलक वर्मा (1) और अर्शदीप सिंह (1) दहाई अंक के आंकड़े पर नहीं पहुंचे। भारत के लिए सबसे ज्यादा रन शिवम दुबे ने बनाए जो 37 गेंदों पर एक चौका और तीन छक्कों की मदद से 42 रन बनाकर आउट हुए। इनके अलावा कप्तान सूर्यकुमार यादव 18, हार्दिक पांड्या 18 और वॉशिंगटन सुंदर 11 रन बनाकर पवेलियन लौटे। दक्षिण अफ्रीका की ओर से मार्को यानसेन ने चार विकेट लिए, जबकि केशव महाराज को तीन, कॉर्बिन बॉश को दो और एडेन मार्करम को एक विकेट मिला।

ब्रेविस-मिलर की साझेदारी ने पलटा खेल

इससे पहले मार्करम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया, लेकिन टीम ने 20 रन तक ही तीन विकेट गंवा दिए। बुमराह ने दूसरे ओवर में सलामी बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक (06) को बोल्ड करके भारत को पहली सफलता दिलाई, जबकि अर्शदीप सिंह ने अगले ओवर में मार्करम (04) को मिडऑफ पर हार्दिक के हाथों कैच कराया। रेयान रिकेल्टन (07) ने अर्शदीप पर छक्का जड़ा, लेकिन अगले ओवर में बुमराह की गेंद को मिड ऑफ पर शिवम दुबे के हाथों में खेल गए। मिलर और ब्रेविस ने इसके बाद पारी को संवारा। दोनों बल्लेबाज शुरुआत से ही अच्छी लय में नजर आए और चौथे विकेट के लिए 97 रनों की साझेदारी कर डाली। दक्षिण अफ्रीका के रनों का शतक 12वें ओवर में पूरा हुआ। ब्रेविस ने अगले ओवर में दुबे पर अपना तीसरा छक्का जड़ा लेकिन अगली गेंद को हवा में लहराकर डीप मिडविकेट पर अभिषेक के हाथों लपके गए। ब्रेविस ने 29 गेंदों पर तीन चौकों और तीन छक्कों की मदद से 45 रन बनाए। मिलर ने दुबे के इसी ओवर में छक्के के साथ 26 गेंद में अर्धशतक पूरा किया। स्टब्स ने भी वरुण पर छक्का मारा लेकिन मिलर ने लॉन्ग ऑफ पर तिलक वर्मा को कैच थमा दिया। मिलर 35 गेंदों पर सात चौकों और तीन छक्कों के सहारे 63 रन बनाकर आउट हुए।

भारत के धुरंधर हुए अफ्रीका से सरेंडर

टी20 वर्ल्ड कप 2026 के असल मुकाबले यानी सुपर-8 राउंड में डबल हेडर संडे को घरेलू शेर अपने ही मैदानों पर ढेर हो गये।श्रीलंका में खेले गये पहले मुकाबले में जहां लंका के चीते अंग्रेजों के सामने नतमस्तक हुए,वहीं अहमदाबाद में खेले गये टूर्नामेंट के महामुकाबले में भारत के धुरंधर अफ्रीका के आगे सरेंडर हुए।वैसे तो दोनों ही मैच एकतरफा हुए,लेकिन टीम इंडिया की हार के चर्चे सुर्खियों में ज्यादा हैं।वजह एकदम साफ है कि 2024 वर्ल्ड कप चैंपियन टीम की यह शिकस्त 12 मैचों की लगातार जीत के बाद हुई है।जिस बात का जिक्र हमने कल ही किया था कि अब तथाकथित करो या मरो राउंड के मैचों में टॉस का किरदार बदल सकता है,ठीक वैसा ही नजारा रोचक रविकार के दोनों मुकाबलों में देखने को मिला।एक ओर जहां श्रीलंका टीम 146 रनों के मामूली रन चेस में बिखर गयी,जबकि टीम इंडिया भी साउथ अफ्रीका के स्कोरबोर्ड प्रेशर को नहीं झेल सकी ।यह बात अलग है कि टॉस का फायदा उठाने में श्रीलंका टीम से जहां चूक हुई,जबकि टीम इंडिया के भाग्य ने इस मामले में साथ नहीं दिया।फिर भी दोनों मैचों के रिजल्ट से एक बात साफ हो गयी है कि आने वाले बड़े मैचों में टॉस ओर स्कोरबोर्ड प्रेशर के मायने क्या रहेंगे।खैर यह सब बातें तो भाग्य और टॉस की हैं जो किस्मत की बात कही जा सकती है।अब अगर हम मौजूदा वर्ल्ड कप के सबसे बड़े मुकाबले यानी भारत-अफ्रीका मैच की करें तो इस मैच में अफ्रीकी शेरों ने घरेलू शेरों को 76 रनों के बड़े अंतर से हरा दिया है।भले ही टॉस टीम इंडिया ने गंवाया हो,लेकिन सच तो यह है कि इस मैच की हार की जिम्मेदारी मेरे नजरिये में खिलाड़ियों के साथ टीम मैनेजमेंट की भी है।अंतिम एकादश के चयन से लेकर टीम इंडिया के बल्लेबाजी क्रम की उठापटक भी इस हार की बहुत बड़ी वजह रही है।टॉस भले ही किस्मत के भरोसे होता है,लेकिन अक्षर पटेल की जगह सुंदर का एकादश में चयन सबसे बड़ी चूक रही है।अगर हम दोनों टीमों के एकादश चयन का नजरिया देखें तो सिर्फ 3 अफ्रीकी लेफ्ट हैंडर की वजह से टीम इंडिया ने यह फैसला लिया,जबकि अफ्रीकी टीम ने 6 भारतीय लेफ्ट हैंडर के बावजूद भी केशव महाराज पर ही भरोसा जताया।वहीं अगर हम बल्लेबाजी क्रम में लेफ्ट-राइट कॉम्बिनेशन की वजह से उलटपुलट करते हैं जैसा कि कल के मैच में दिखा जब सुंदर को हार्दिक पांड्या से पहले भेजा तो फिर सूर्या को 3 नंबर पर क्यों आ रहे हैं।फैसला कप्तान ले रहा है या फिर मैनजमेंट सवाल बेहद पेचीदा है।टीम के लिए इस तरह के फैसले वाकई समझ से परे हैं। इसी वजह से कई मौकों पर तो अब ऐसा नजर आता है कि मैदान में कप्तान भले ही सूर्या हो लेकिन उनके फैसले मैनजमेंट ड्रेसिंग रूम से तय कर रहा है।वैसे तो भारतीय टीम चयनकर्ताओं की तमाम खामियां भी अब नजर आने लगी है क्योंकि टीम मैनेजमेंट और कप्तान के पास टीम के चयन में मौजूद विकल्प एक ही तरह के हैं।मतलब वर्ल्ड कप की 15 खिलड़ियों वाली टीम इंडिया में विविधता को नजरअंदाज किया गया है जो अब घातक साबित हो रहा है।गौरतलब है कि इस टीम में बतौर दांये हाथ के बल्लेबाज सिर्फ 3 खिलाड़ी (सूर्या, सैमसन,पंड्या)ही टीम का हिस्सा हैं।कहीं ऐसा तो नहीं जो टीम इंडिया की ताकत थी वही अब कमजोर कड़ी बनती जा रही है क्योंकि क्रिकेट में आधुनिकीकरण के दौर में कोई भी टीम एक ही तरह की ताकत से बिना विविधता के लंबी रेस नहीं खेल सकती है।फिलहाल मौजूदा वर्ल्ड कप के नजरिये से अब टीम इंडिया का सफर भले ही थोड़ा जटिल हो गया है,लेकिन सेमीफाइनल की आस अभी भी जस की तस है। सबसे पहले इसके लिए टीम इंडिया को बचे हुए दोनों मैचों में जीत के बाद भी बस फर्क इतना रहेगा है कि समीकरण में अगर मगर के गणित शामिल हो जाएंगे।जबकि श्रीलंका में होने वाले दूसरे ग्रुप के मैचों में इस तरह के गणित के साथ बारिश की भूमिका भी अहम है। मतलब साफ है कि सुपर 8 के बचे हुए 9 मैचों में क्रिकेट का रोमांच चरम पर होगा।आखिरी 4 यानी सेमीफाइनल का टिकिट कौनसी टीम हासिल करेगी यह तो वक्त ही बतायेगा,लेकिन टीम इंडिया का अफ्रीकी टीम से इस तरह हारना बहुत सारे अबूझ सवाल लेकर आया है जिसके जवाब आने वाले मैचों में मिलने की उम्मीद है।अब देखना यह दिलचस्प रहेगा कि अपने ही मैदान पर मिली इस बड़ी हार से टीम इंडिया और उसका मैनजमेंट कैसे उबरता है,क्योंकि अब एक भी चूक उसके बीट हिस्ट्री और रिपीट हिस्ट्री वाले सपने चकनाचूर कर सकती है।

आलोक गोस्वामी
खेल विश्लेषक

मनोरंजन बॉलीवुड का कोना

फिल्म यादव जी की लव स्टोरी पर नहीं थम रहा विवाद

अब एल्विश का सामने आया रिएक्शन

27 फरवरी को रिलीज होने वाली फिल्म %यादव जी की लव स्टोरी% का टीजर सामने आने के बाद से ही इसे लेकर विरोध तेज हो गया है। एक तरफ जहां यादव समाज ने फिल्म के नाम और उसके भीतर दिखाए गए कुछ दृश्यों पर कड़ी आपत्ति जताते हुए मोर्चा खोल दिया है तो वहीं दूसरी ओर फेमस यूट्यूबर और बिग बॉस ओटीटी विजेता एल्विश यादव भी इस बहस में कूद पड़े हैं। यादव जी की लव स्टोरी को लेकर यादव समाज का कहना है कि मनोरंजन के नाम पर किसी खास समुदाय की गरिमा के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। वहीं एल्विश यादव ने सोशल मीडिया के जरिए अपनी बात रखी है। इस पूरे विवाद पर नजर रख रहे एल्विश यादव ने अब चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट शेयर

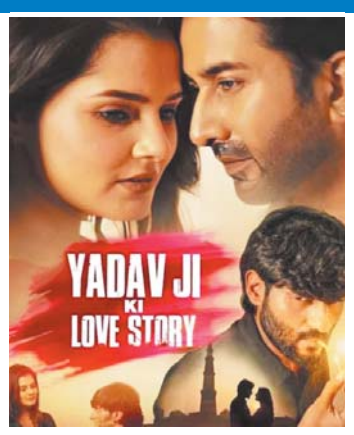

किया है। एल्विश ने लिखा, मुझे अभी यादव जी की लव स्टोरी को लेकर चल रहे विवाद के बारे में पता चला है। अगर फिल्म में कोई ऐसा सीन या कंटेंट है जिससे यादव समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंचती है, तो प्रोड्यूसर और डायरेक्टर को सोच-समझकर दोबारा फैसला लेना चाहिए और सही बदलाव करने चाहिए। मुझे पूरी उम्मीद है कि मेकर्स सभी चिंताओं को जिम्मेदारी से सुलझाएंगे और लोगों की भावनाओं का पूरा सम्मान करेंगे। एल्विश का यह बयान सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, क्योंकि वे खुद इसी समुदाय से आते हैं और युवाओं के बीच उनकी अच्छी-खासी पैठ है। इसके अलावा काफी समय से सोशल मीडिया पर लोग उनके रिएक्शन का इंतजार कर रहे थे।

क्या रिलीज हो पाएगी फिल्म?

फिलहाल, फिल्म यादव जी की लव स्टोरी की रिलीज पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। एक तरफ जहां समाज रिलीज रोकने पर अड़ा है, वहीं दूसरी तरफ एल्विश यादव के दखल ने भी मेकर्स पर दबाव बढ़ा दिया है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या फिल्म के निर्माता-निर्देशक समाज की मांगों को स्वीकार करते हुए फिल्म में बदलाव करेंगे या यह कानूनी लड़ाई का नया मोड़ लेगी। फिलहाल, 27 फरवरी की रिलीज को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। यादव समाज के लोगों का आरोप है कि फिल्म में उनके समुदाय की छवि को गलत तरीके से पेश किया गया है, जिससे समाज की भावनाओं और सम्मान को ठेस पहुंची है। विरोध कर रहे लोगों का कहना है कि जब तक विवादित सीन हटाए नहीं जाते और फिल्म के कंटेंट में सुधार नहीं किया जाता, तब तक वे इस फिल्म को किसी भी सिनेमाघर में रिलीज नहीं होने देंगे।

संवेदनशील मुद्दों को दिखाने वाले शो 'अनुपमा' का हिस्सा होने पर गर्व है: अद्रिजा

टीवी शो अनुपमा में राही कपाड़िया का किरदार निभा रही अद्रिजा रॉय ने शो में चल रहे मेल डोमेस्टिक वायलेंस (पुरुषों पर घरेलू हिंसा) ट्रैक पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि उन्हें ऐसे संवेदनशील और कम चर्चित मुद्दों को सामने लाने वाले शो का हिस्सा होने पर गर्व है।

अद्रिजा ने बताया, टेलीविजन में मतलब की बातचीत शुरू करने की बहुत ताकत है। 'अनुपमा' जैसे पॉपुलर शो असली सोशल मुद्दों को दिखाकर लोगों के बीच जागरूकता फैलाते हैं। घरेलू हिंसा के बारे में ज्यादातर महिलाओं की कहानियां सुनाई जाती हैं, जो एक बेहद गंभीर मुद्दा है। लेकिन सच यह भी है कि पुरुष भी शारीरिक और मानसिक शोषण का शिकार होते हैं। ज्यादातर समय वे चुप रहते हैं क्योंकि उन्हें शर्म आती है या समाज में जज होने का डर होता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस पहलू को भी मान्यता देना बहुत जरूरी है। अद्रिजा को 'अनुपमा' के मेकर्स की सबसे अच्छी बात यही लगती है कि वे सोशल टॉपिक्स को सिर्फ ड्रामा के लिए नहीं लाते, बल्कि हर ट्रैक के जरिए एक सकारात्मक और अर्थ से भरा मैसेज देते हैं।

अद्रिजा ने बताया, मेकर्स अपनी कहानियों को बहुत सावधानी से चुनते हैं। हर ट्रैक का असल जिंदगी से कनेक्शन होता है - कुछ ऐसा जो लोग अपने घरों या रिश्तों में रोज महसूस करते हैं। 'अनुपमा' जैसे शो उन लोगों को हिम्मत देते हैं जो ऐसे हालात में अकेले चुपचाप परेशान होते हैं। जब दर्शक स्क्रीन पर ऐसी कहानियां देखते हैं, तो उन्हें लगता है कि वे अकेले नहीं हैं। इससे उन्हें बोलने या मदद मांगने की हिम्मत मिलती है।

मेट्रो बाजार

एफआईआई की निकासी के बावजूद घरेलू निवेशक लगातार बाजार को दे रहे मजबूत समर्थन

मुंबई । बाजार के जानकारों का कहना है कि भारतीय शेयर बाजार में जहां एक ओर विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) लगातार बिकवाली कर रहे हैं, वहीं मजबूत घरेलू संकेतों के चलते घरेलू संस्थागत निवेशक (डीआईआई) बाजार को मजबूत समर्थन दे रहे हैं। 20 फरवरी को समाप्त सप्ताह में एफआईआई ने कैश मार्केट में लगभग 7,000 करोड़ रुपए की शुद्ध निकासी की। इस दौरान बाजार में उतार-चढ़ाव रहा और 13 फरवरी को भारी बिकवाली देखने को मिली, जब 7,395 करोड़ रुपए का आउटफ्लो दर्ज हुआ।

वेंचुरा के रिसर्च प्रमुख विनीत बोलिंजकर ने कहा, ÷इसके बावजूद डीआईआई ने 8,000 करोड़ रुपए से अधिक की शुद्ध खरीदारी कर बाजार को मजबूत समर्थन दिया। 13 और 16 फरवरी को अच्छी खरीदारी देखने को मिली। बेंचमार्क इंडेक्स दबाव में रहे और वैश्विक तनाव तथा आईटी, वित्तीय और ऑटो सेक्टर में गिरावट के चलते 19 फरवरी को निफ्टी 1.41 प्रतिशत गिरकर करीब 25,454 पर बंद हुआ। वहीं, 20 फरवरी को बाजार में आंशिक सुधार देखने को मिला और चुनिंदा खरीदारी के चलते निफ्टी फिर से 25,600 के करीब पहुंच गया। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट द्वारा आईईईपीए के तहत पहले लगाए गए व्यापक %रिसिप्रोकल% टैरिफ को खारिज करने के बाद भारत के लिए अमेरिका-भारत अंतरिम व्यापार व्यवस्था फिर से संतुलित हो गई है। फिलहाल टैरिफ का असर 15 प्रतिशत तक सीमित है।

सीबीजी-सीएनजी मिश्रण पर एक्साइज छूट से खुल सकते हैं 1 लाख करोड़ के निवेश के रास्ते

नई दिल्ली। संपीड़ित प्राकृतिक गैस (सीएनजी) में मिलाए जाने वाले बायोगैस पर प्रस्तावित एक्साइज ड्यूटी छूट से भारत में करीब 1 लाख करोड़ रुपए तक के निवेश आने की संभावना है। यह जानकारी इंडियन बायोगैस एसोसिएशन (आईबीए) ने रविवार को दी। उद्योग जगत के संगठन ने कहा कि हाल ही में पेश किए गए केंद्रीय बजट 2026 में घोषित यह कदम स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने और भारत के 2070 तक नेट जीरो लक्ष्य को समर्थन देने की दिशा में एक बड़ा कदम है। आईबीए के अनुसार, सीएनजी के साथ मिश्रित कंप्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी) पर एक्साइज ड्यूटी छूट से परियोजनाओं की वित्तीय व्यवहार्यता बेहतर होगी और बड़े पैमाने पर निजी निवेश आकर्षित होगा। एसोसिएशन ने कहा कि यदि अगले पांच वर्षों में देश भर में सिटी गैस वितरण नेटवर्क बायोगैस का सिर्फ 5 प्रतिशत मिश्रण भी हासिल कर लेते हैं, तो इसके लिए सालाना करीब 2.5 से 3 मिलियन मीट्रिक टन (एमएमटीपीए) सीबीजी की जरूरत होगी। सिर्फ इससे ही 45,000 करोड़ रुपए से 55,000 करोड़ रुपए तक का निवेश उत्पन्न हो सकता है। आईबीए ने कहा कि यदि सरकार स्पष्ट और स्थिर नीति ढांचा तथा पूर्वानुमान योग्य मूल्य निर्धारण व्यवस्था देती है, तो 2032 तक मिश्रण स्तर 7-8 प्रतिशत तक बढ़ सकता है। ऐसी स्थिति में कुल निवेश क्षमता लगभग दोगुनी होकर करीब 1 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच सकती है।

भारत सहित 10 देशों में लांच होगा मून रिसॉर्ट का मेगा प्रोजेक्ट

दुबई। मून वर्ल्ड रिसॉर्ट नामक कंपनी भारत सहित दुनिया के 10 देशों में विशाल मून रिसॉर्ट प्रोजेक्ट लॉन्च करने की तैयारी कर रही है। कंपनी के को-फाउंडर सह-संस्थापक माइकल आर. हेंडरसन के मुताबिक इसका मुख्य आकर्षण विश्व का सबसे बड़ा चंद्रमा की तरह दिखने वाला गोला होगा। इसकी ऊंचाई 300 मीटर से अधिक होगी और इसमें चंद्रमा की सतह और वातावरण का अनुकरण करने के लिए डिजाइन किया गया।

एक और लापरवाही...

तीन साल के मासूम की नाले में डूबने से हुई मौत

गोहाना (सोनीपत), एजेंसी

नोएडा में बेसमेंट के लिए खोदे गए प्लाट में भरे पानी में गिरकर कार सवार साफ्टवेयर इंजीनियर युवराज मेहता की मौत की धटना को लोग अब तक भूल नहीं पाए हैं।अब गोहाना के गांव भंडेरी में रविवार शाम एक दर्दनाक हादसे ने पूरे गांव को शोक में डुबो दिया। घर से महज 50 मीटर दूर स्थित पानी भरे नाले में डूबने से लगभग तीन वर्षीय मासूम कार्तिक की मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में कोहराम मचा है और पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है।

तालाब भरने के लिए बनाया था नाला

कार्तिक शाम करीब साढ़े चार बजे घर के बाहर खेल रहा था। खेलते-खेलते वह पास ही बने नाले की तरफ चला गया। यह नाला तालाब भरने के लिए बनाया गया था। करीब एक-डेढ़ माह पहले भंडारा वाले तालाब की सफाई के दौरान जलसर वाले तालाब में इसी नाले के माध्यम से पानी डाला गया था। पानी डाले जाने के बाद भी नाले में काफी मात्रा में पानी भरा रह गया था। खेलते समय कार्तिक नाले के पास पहुंचा और फिसलने से उसमें गिर गया। नाले गहरा और उसमें अधिक पानी होने के कारण वह बाहर नहीं निकल सका और डूब गया। काफी देर तक जब वह घर नहीं लौटा तो उसकी तलाश शुरू की। जब उसका कोई सुराग नहीं लगा तो पुलिस को सूचना दी गई। देर शाम को तलाश के दौरान कार्तिक का शव नाले में मिला। मासूम को बाहर निकालते ही स्वजन पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा।

ग्रामीणों में आक्रोष

हादसे के बाद ग्रामीणों में रोष है। ग्रामीणों का आरोप है कि नाले के पास सुरक्षा के लिए कांटेदार झाड़ियां डालने की मांग पहले भी की गई थी लेकिन इस पर ध्यान नहीं दिया गया। अगर नाले के आसपास कांटेदार झाड़ियां लगा दी जातीं तो बच्चे वहां तक नहीं पहुंच पाते और यह दर्दनाक हादसा टल सकता था।

न्यूज विंडो

ओंकारेश्वर में नर्मदा में डूबा यूपी का इंजीनियर, रेस्क्यू जारी

ओंकारेश्वर। ओंकारेश्वर के ब्रह्मपुरी घाट पर रविवार को नर्मदा में डूबने वाले युवक का 24 घंटे बाद भी पता नहीं चल सका है। पुलिस व एसडीआरएफ टीम नर्मदा की गहराइयों में तलाश कर रही है।सुबह लगभग 5:30 बजे इंजीनियर 26 वर्षीय नानकराम यादव पुत्र सुखपाल यादव निवासी फिरोजाबाद, उत्तर प्रदेश, नर्मदा स्नान के दौरान गहरे पानी में जाने से डूब गया। इस दौरान वहां स्नान करने वालों ने युवक को डूबते देख शोर मचाया, लेकिन सुबह गोताखोर व बचाव दल का कोई जवान मौजूद नहीं होने से कोई मदद के लिए नहीं आया। घटना की सूचना पर लापता युवक के स्वजन ओंकारेश्वर आ चुके हैं। बताया गया कि युवक नानकराम अपने दो साथियों के साथ उज्जैन दर्शन करने के बाद शनिवार रात ओंकारेश्वर आया था। सुबह यह हादसा हो गया। युवक के खसगी देवी अहिल्याबाई होल्कर ट्रस्ट धर्मशाला में रुकने की व्यवस्था समाजसेवी प्रदीप ठाकुर द्वारा करवाई गई है।

लॉजिस्टिक्स, डेटा सेंटर, कौशल विकास में खुलेंगे निवेश के द्वार: योगी

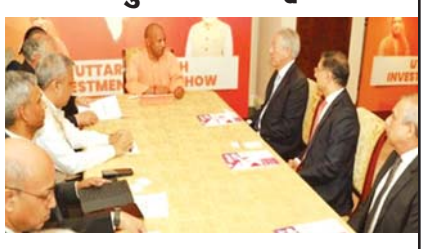

जकार्ता। उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ सिंगापुर दौरे पर हैं। दौरे के पहले दिन सोमवार को उन्होंने कई विदेशी निवेशकों और कॉरपोरेट प्रतिनिधियों के साथ बैठकें कीं। साथ ही यूपी में निवेश की संभावनाओं, औद्योगिक सहयोग और दीर्घकालिक साझेदारी के विविध आयामों पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने सिंगापुर की अग्रणी निवेश कंपनी टेमासेक होल्डिंग्स के चेयरमैन टियो ची हीन और उनकी टीम से भी मुलाकात की। टेमासेक के वैश्विक निवेश पोर्टफोलियो और यूपी में निवेश पर चर्चा की। साथ ही टेमासेक को यूपी में अवसंरचना, लॉजिस्टिक्स, स्वास्थ्य, वेयरहाउसिंग, फिनटेक आधारित शहरी विकास व अन्य सम्बद्ध क्षेत्रों में निवेश के लिए आमंत्रित किया।इस दौरान टेमासेक द्वारा गाजियाबाद में लगभग 500 करोड़ रुपये के निवेश तथा असेंडास द्वारा राज्य में लॉजिस्टिक्स एवं वेयरहाउसिंग सुविधाओं के विकास हेतु करीब 500 करोड़ रुपये के निवेश से संबंधित जानकारी भी साझा की गई।

चांदी की कीमतों में 14500 रुपये का उछाल, सोना 1.60 लाख पर

नई दिल्ली। सोने-चांदी की कीमतों में तेजी जारी की गई है। चांदी 14530 रुपये की बढ़त के साथ 2.67 लाख प्रति किलो पर पहुंच गई। सोने का भाव 2680 रुपये बढ़कर 1.60 लाख प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया।अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने की चाल तेज बनी हुई है। स्पॉट गोल्ड 5,027.13 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि कॉमेक्स पर सोने के वायदा भाव में 1.94 फीसदी की तेजी दर्ज की गई और यह 5,179 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच गया। इसी तरह चांदी की कीमतों में भी उल्लेखनीय उछाल देखा गया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में 5.42 फीसदी की तेजी के साथ चांदी का भाव 86.805 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया है।विश्लेषकों का मानना है कि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता के बीच निवेशकों का रुझान सुरक्षित निवेश विकल्पों, खासकर सोना और चांदी, की ओर बढ़ रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा वैश्विक टैरिफ बढ़ाने के फैसले से बढ़े व्यापार तनाव और पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव ने भी कीमती धातुओं की मांग को समर्थन दिया है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मणिशंकर अय्यर का बड़ा बयान

इंडिया गठबंधन की कमान छोड़ दें राहुल, ममता दीदी करें लीड

कोलकाता, एजेंसी

अपने विवादित बयानों को लेकर सुर्खियों में रहने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मणि शंकर अय्यर ने इस बार ऐसी बता कही है जिसने राजनीतिक हलकों में हलचल पैदा कर दी है। इस बार उन्होंने राहुल गांधी को सलाह दी है कि वे इंडिया गठबंधन की कमान क्षेत्रीय दलों के नेताओं को सौंप दें। कोलकाता में पत्रकारों से बातचीत करते हुए अय्यर ने कहा कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इस गठबंधन की प्रमुख नेता हैं और उनके बिना गठबंधन की मजबूती प्रभावित होगी। उन्होंने राहुल गांधी को सलाह देते हुए कहा कि इंडिया गठबंधन की कमाल ममता को सौंप देनी चाहिए। इसके साथ ही अय्यर ने कहा कि इंडिया गठबंधन में ऐसे कई क्षेत्रीय नेता हैं जो नेतृत्व की भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को चाहिए कि वे इस जिम्मेदारी को साझा करें। उन्होंने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन, समाजवादी पार्टी के अखिलेश यादव और राजद नेता तेजस्वी यादव जैसे नेताओं का भी उल्लेख किया।

बंगाल विस चुनाव से पहले खड़ा हुआ राजनीतिक विवाद

मणि शंकर अय्यर के इस बयान से बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। पश्चिम बंगाल कांग्रेस के नेताओं ने अय्यर की टिप्पणी पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। महासचिव सुमन रॉय चौधरी ने कि अय्यर लंबे समय से पार्टी की सक्रिय राजनीति से दूर हैं और उनका बयान पार्टी की आधिकारिक राय नहीं है। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि क्या राज्यसभा की रिक्त सीटों को लेकर ऐसी टिप्पणी की गई है। मणिशंकर जी क्या आप जानते हैं कि ममता बनर्जी पर्दे के पीछे बीजेपी की कठपुतली की तरह काम करती हैं, जिसके खिलाफ INDIA ब्लॉक लड़ रहा है? मुझे नहीं लगता कि पार्टी से दूर रहने के बाद, कांग्रेस पार्टी का कोई भी फ़ैसला लेने में आपका कोई हिस्सा है।

पार्टी साथियों ने कहा यह उनकी निजी राय

वहीं तृणमूल कांग्रेस के नेता कुणाल घोष ने कहा कि फिलहाल उनका ध्यान चुनावी तैयारियों पर है और पार्टी का लक्ष्य बीजेपी को हराकर ममता बनर्जी के नेतृत्व में फिर से सरकार बनाना है। मणिशंकर अय्यर बहुत सीनियर नेता हैं। पूरा देश देख रहा है कि बीजेपी को सही विचारधारा की लड़ाई कौन दे रहा है। मणिशंकर अय्यर जिन्हें पहले राहुल गांधी ने प्राइम मिनिस्टर नरेंद्र मोदी पर उनके अपमानजनक कमेंट्स के कारण सस्पेंड कर दिया था, कुछ समय से अपनी पार्टी के रीजनल विरोधियों की तारीफ कर रहे हैं। हाल ही में उन्होंने केरल के मुख्यमंत्री और सीपीएम नेता पिनाराई विजयन की तारीफ की थी। उनके नाराज पार्टी साथियों ने कहा कि यह उनकी निजी राय है।

नई दिल्ली: स्कूलों को फिर मिली बम से उड़ाने की धमकी, ई-मेल से हड़कंप

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के धौला कुआं में आर्मी पब्लिक स्कूल और लोधी रोड पर एयर फोर्स बाल भारती स्कूल को एक ई-मेल के माध्यम से बम से उड़ाने की धमकी मिली है। इस धमकी भरे ई-मेल के प्राप्त होते ही स्कूल प्रशासन और पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। तत्काल कार्रवाई करते हुए, स्कूल परिसर को खाली करा लिया गया है और सुरक्षा एजेंसियों द्वारा गहन जांच की जा रही है। एक सीनियर पुलिस अधिकारी ने बताया कि धमकी भरे ईमेल मिलने के बाद दोनों स्कूलों के एडमिनिस्ट्रेशन ने सुबह अधिकारियों को इसकी जानकारी दी।शुरुआती जानकारी के अनुसार, स्कूल प्रशासन को एक अज्ञात ई-मेल प्राप्त हुआ, जिसमें स्कूल को बम से उड़ाने की चेतावनी दी गई थी। ई-मेल मिलते ही स्कूल प्रबंधन ने तुरंत स्थानीय पुलिस को सूचित किया। पुलिस और बम निरोधक दस्ते ने मौके पर पहुंचकर पूरे स्कूल परिसर को खाली कराया।

ईरान के विश्वविद्यालयों में दूसरे दिन भी प्रदर्शन जारी, बिगड़े हालात

तेहरान। ईरान के दो बड़े शहरों तेहरान और मशहद में विश्वविद्यालय परिसरों में लगातार दूसरे दिन सरकार विरोधी प्रदर्शन हुए। छात्र समूहों और मानवाधिकार संगठनों के अनुसार कम से कम सात विश्वविद्यालयों में छात्र इकट्ठा हुए और नारेबाजी की। सुरक्षा व्यवस्था कड़ी होने के बावजूद छात्रों ने परिसर में प्रदर्शन जारी रखा। यह नया विरोध ऐसे समय में हो रहा है जब ईरान और अमेरिका के बीच तनाव बढ़ा हुआ है।

बताया जा रहा है कि नया शैक्षणिक सत्र शुरू होने के साथ ही शनिवार से प्रदर्शन फिर तेज हुए। रविवार को कई छात्रों ने काले कपड़े पहनकर पहले हुए प्रदर्शनों में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी। तेहरान यूनिवर्सिटी ऑफ आर्ट और ईरान यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी सहित कई संस्थानों में छात्रों की भीड़ देखी गई।

पंजाब की सुरक्षा में लगी सेंध: गुरदासपुर में सेकेंड लाइन ऑफ डिफेंस में तैनात दो जवानों की हत्या से उठे सवाल

गुरदासपुर, एजेंसी

भारत-पाक अंतरराष्ट्रीय सीमा के निकट दोरांगला सेक्टर में स्थित पुलिस चेक पोस्ट पर दो पुलिसकर्मियों की गोली मारकर हत्या करने के मामले के बाद पूरे सूबे में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। गांव आधियां स्थित चौकी के भीतर दोनों के शव खून से लथपथ हालत में मिले थे। पुलिस ने अज्ञात हमलावरों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मृतकों की पहचान असिस्टेंट सब-इंस्पेक्टर (कमांडो) गुरनाम सिंह और होमगार्ड अशोक कुमार के रूप में हुई है। दोनों रात की ड्यूटी पर तैनात थे।

प्रारंभिक जांच में उनके शरीर पर गोली लगने के निशान पाए गए हैं। मौके से पुलिस को छह खाली खोल भी बरामद हुए हैं, जिससे अंदेशा है कि हमलावरों ने ताबड़तोड़ फायरिंग की।

सूचना मिलते ही वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवान मौके पर पहुंच गए। पूरे इलाके की घेराबंदी कर सर्च ऑपरेशन चलाया गया। फॉरेंसिक और तकनीकी टीमें घटनास्थल से साक्ष्य जुटा रही हैं। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज और मोबाइल लोकेशन डाटा खंगाला जा रहा है।अधिकारियों के अनुसार, यह चौकी पंजाब पुलिस द्वारा बीएसएफ के साथ समन्वय में संचालित की जाती है और इसे सुरक्षा की दूसरी पंक्ति माना जाता है। घटनास्थल भारत-पाक सीमा से लगभग दो किलोमीटर दूर है, जिससे मामले की संवेदनशीलता और बढ़ गई है।

मेट्रो एंकर

आलोक मेहता की कॉफी-टेबल बुक 'रेवलूशनेरी राज' का भव्य लोकार्पण

समकालीन राजनीतिक परिदृश्य को समझने की दृष्टि से महत्वपूर्ण पुस्तक

नई दिल्ली, एजेंसी

वरिष्ठ संपादक (पद्मश्री) और जाने-माने लेखक आलोक मेहता की कॉफी-टेबल बुक 'Revolutionary Raj: Narendra Modi's 25 Years' का लोकार्पण कॉन्स्टीट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया में आयोजित एक गरिमामय समारोह में किया गया। कार्यक्रम में राजनीति, शासन और मीडिया जगत की कई प्रमुख हस्तियां मौजूद रहीं। बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी, अर्थशास्त्री और 15वें वित्त आयोग के अध्यक्ष और पूर्व सांसद एन. के. सिंह, प्रसिद्ध सोशल एक्टिविस्ट और लेखिका रामी छाबरा

और पूर्व केंद्रीय मंत्री के. जे. अल्फोंस मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह ने समारोह की अध्यक्षता की 7 वक्ताओं ने पुस्तक को समकालीन राजनीतिक परिदृश्य को समझने की दृष्टि से महत्वपूर्ण बताया। बिजनेसवर्ल्ड के चेयरमैन व एडिटर-इन-चीफ और एक्सचेंज 4 मीडिया ग्रुप के फाउंडर डॉ. अनुराग बत्रा ने इस कार्यक्रम का संचालन किया।

शुभी पब्लिकेशंस द्वारा प्रकाशित यह कॉफी-टेबल बुक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्षों पर केंद्रित है, जिसमें गुजरात के नेतृत्व से लेकर देश की बागडोर संभालने तक की उनकी राजनीतिक, प्रशासनिक और वैचारिक यात्रा का विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है। किताब की खास बात यह है कि इसकी भूमिका केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने लिखी है।

बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने अपने संबोधन में कहा कि वर्ष 2002 के गोधरा कांड के बाद वह गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी के आलोचक थे, लेकिन गुजरात में समय बिताने और विभिन्न समुदायों के लोगों से संवाद करने के बाद उनका दृष्टिकोण पूरी तरह बदल गया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व को व्यापक परिप्रेक्ष्य में समझने की आवश्यकता है। उन्होंने तीन तलाक कानून को एक ऐतिहासिक सामाजिक सुधार बताया, जिसका प्रभाव आने वाले वर्षों तक देखा जाएगा।

केन्द्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने भारत की आर्थिक प्रगति का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्ष 2014 में भारत लगभग दो ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था था, जो अब बढ़कर लगभग 4.3 ट्रिलियन डॉलर के स्तर पर पहुंच चुका है। उन्होंने विश्वास जताया कि वर्तमान गति बरकरार रहने पर भारत निकट भविष्य में दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564